रोहतक

बुधवार, 9 जुलाई 2025

आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष,
चतुर्दशी वर्ष : 29, अंक : 159
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 39.2
न्यून. 24.4

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बाजार का हाल

मार्केट	बंद	उछाल
सेंसेक्स	83,712.51	270.01 ▲
निफ्टी	25,522.50	61.20 ▲

धातु	कीमत	तेजी
सोना	99,120/-	550/- ▲
चांदी	1,04,800/-	---

(सोना प्रति 10 ग्राम और चांदी प्रति किलो रु. में)

मुद्रा	प्रति डॉलर	ऊपर/नीचे
रुपया	85.68	26 पैसे ▲

क्रूड ऑयल 69.17 बैरल 0.59% ▼

पेट्रोल दिल्ली में 94.72 रु. लीटर और डीजल 87.62 रु. लीटर बिक रहा है।

सीईटी की डेटशीट की घोषणा, 26-27 को 4 शिफ्टों में पेपर होगा

चंडीगढ़(ब्यूरो)। हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एचएसएससी) ने मंगलवार को ग्रुप-सी भर्ती के लिए सीईटी एग्जाम की डेटशीट जारी कर दी। यह एग्जाम 26 व 27 जुलाई को होगा। दोनों दिन 2-2 शिफ्टें होंगी। जिसकी टाइमिंग सुबह 10 बजे से 11.45 बजे और दोपहर बाद 3.15 बजे से 5 बजे तक होगी। एग्जाम देने के लिए परीक्षार्थियों को 1 घंटा 45 मिनट का समय मिलेगा। इस एग्जाम के लिए साढ़े 13 लाख युवाओं ने आवेदन किया है। ये परीक्षा 3 साल बाद हो रही है। अधिसूचना के मुताबिक एग्जाम ऑब्जेक्टिव टाइप होगा। एग्जाम ओएमआर बेस्ड ऑफलाइन मोड से होगा। पेपर में सवाल अंग्रेजी और हिंदी, दोनों भाषाओं में आएंगे।

एचटेट की तिथि बदली, अब 30 और 31 जुलाई को होगा

किसान की मौत के बाद भी नहीं बदला तार एसडीओ-जेई समेत 6 बिजलीकर्मी सस्पेंड

करनाल में बिजली मंत्री विज ने दिए कड़ी कार्रवाई के आदेश, एफआईआर भी दर्ज

करनाल/अंबाला (हरिभूमि न्यूज)। करनाल के गांव हैबतपुर में खेत में काम करते समय टूटे बिजली के तार से करंट लगने से युवा किसान की मौत के बाद भी तार न बदलने पर बिजली मंत्री अनिल विज ने कड़ा एक्शन लिया है। लापरवाही के आरोप में 6 बिजली कर्मियों को निलंबित कर दिया है। इनमें एसडीओ मोहित, जेई सुनील और 4 लाइनमैन अजीत, सत्यवान, दीपक और विकास शामिल हैं। ग्रामीणों ने धारा 304 के तहत निगदू थाने में केस भी दर्ज करवाया था। विज ने हैबतपुर थाना निगदु, जिला करनाल में राजेश कुमार नामक एक युवा किसान की खेत में बिजली का करंट लगने से मृत्यु होने के मामले में संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की है। चंडीगढ़ में विज ने कहा कि हैबतपुर थाना निगदु, करनाल में राजेश कुमार नामक युवक की खेत में बिजली का करंट लगने से मौत हो गई थी। इस मामले में 6 जुलाई को थाना निगदू में मोहित एसडीओ, सुनील जेई, दीपक, अजीत, सत्यवान और विकास लाइनमैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी।

गांव हैबतपुर में टूट गए थे बिजली के तार, ग्रामीणों ने कहा, बिजली विभाग ने नहीं की थी कोई कार्रवाई

यह दी शिकायत

शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार ने बताया है कि खेत में जो तारें नीचे लटकी हुई हैं उन्हें ठीक करने के लिए एसडीओ, जेई और लाइनमैन को मृतक और प्रदीप कुमार ने कई बार शिकायत की थी, परन्तु इस बारे उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिस कारण राजेश की खेत में बिजली का करंट लगने से मृत्यु हो गई है। ये बहुत बड़ी लापरवाही है।

सफीदों में ईडी ने सीए का कार्यालय खंगाला गुरुग्राम की कंपनी के लेखा-जोखा में गड़बड़ी

जींद (हरिभूमि न्यूज)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) टीम ने मंगलवार को सफीदों की पुरानी अनाज मंडी में एक सीए के कार्यालय और आवास पर छापेमारी की। टीम ने सीए से पूछताछ की और कार्यालय एवं आवास में फाइलों को खंगाला। बताया जा रहा है कि टीम कुछ दस्तावेज भी अपने साथ ले गई है। सीए गुरुग्राम की कंपनी के कामकाज को देखते हैं। टीम शाम तक सीए के आवास और कार्यालय में बनी रही। सीए के कार्यालय से क्या कुछ ईडी टीम को हाथ लगा। इसका खुलासा नहीं हो पाया। ईडी टीम के 10 अधिकारी मंगलवार को सुबह करीब साढ़े 11 बजे तीन गाड़ियों में सवार होकर सफीदों की पुरानी अनाज मंडी में नेकी विनोद फर्म के आवास पर पहुंचे।

इसलिए जांच के दायरे में कंपनी

आवास के नीचे सीए हर्ष कुमार ने कार्यालय बनाया हुआ है। बताया जाता है कि हर्ष गुरुग्राम की कंपनी के वित्तीय कामकाज को देखते हैं। वित्तीय लेखा-जोखा में गड़बड़ी मिलने के कारण कंपनी ईडी के जांच के दायरे में है। इसी सिलसिले में ईडी ने सीए हर्ष के पैतृक आवास व कार्यालय पर औचक दस्तक दी। कार्रवाई के दौरान किसी को आवास व कार्यालय के अंदर तथा बाहर किसी आने जाने नहीं दिया गया। आवास के बाहर सुरक्षा कर्मी तैनात रहे।

सीए हर्ष से पूछताछ

ईडी टीम ने सीए कार्यालय में रखी कंपनी से संबंधित फाइलों व अन्य दस्तावेजों को खंगाला। टीम ने सीए हर्ष से कंपनी को लेकर पूछताछ भी की। जांच का सिलसिला शाम तक जारी रहा। टीम को क्या कुछ मिला, इसका खुलासा नहीं हो पाया। ईडी ने कार्रवाई को रूटीन जांच बताया है। शहर थाना सफीदों प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि टीम के सफीदों में होने की उन्हें जानकारी है। पुलिस से कोई सुरक्षा सहायता नहीं ली गई है।

टेरर फंडिंग पर फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का बड़ा खुलासा

पुलवामा हमले के लिए ऑनलाइन खरीदा था विस्फोटक : एफएटीएफ

नई दिल्ली (ब्यूरो)। दुनिया में आतंकी फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले और गोरखनाथ मंदिर में हुई 2022 की घटना का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि ई-कॉमर्स मंच और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। एफएटीएफ ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल हुआ विस्फोटक ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन से खरीदा गया था। वहीं, 2022 में यूपी के गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर पर हुए हमले का भी जिक्र किया है। यहां हमलावर आतंकी को ऑनलाइन मनी ट्रांसफर प्लेटफॉर्म पे-पल के जरिए पैसे दिए गए थे। इन दोनों मामलों को उदाहरण के तौर पर पेश करते हुए संगठन ने आगाह किया है कि ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान सेवाएं अगर गलत हाथों में जाएं तो वे आतंक को बढ़ावा देने का माध्यम बन सकती हैं। पुलवामा आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे।

विस्फोटक खरीदने और आतंकवादियों को पैसे पहुंचाने के लिए किया जा रहा रहा ई-प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल

रिपोर्ट में दावा : गोरखनाथ मंदिर पर हमले के लिए पे-पल से हुई पेमेंट, इसके बाद आतंकियों ने किया हमला

पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की थी

एफएटीएफ ने कहा, 'प्रतिनिधिमंडलों ने आतंकवादी वित्तपोषण) के लिए सरकारी प्रायोजन के उपयोग का उल्लेख आतंकवादी कृत्यों में शामिल संगठनों की धन जुटाने की तकनीक या वित्तीय प्रबंधन रणनीति के तहत किया है। समर्थन के कई रूपों का जिक्र किया है जिसमें प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता, साजो सामान और सामग्री संबंधी सहायता या प्रशिक्षण का प्रावधान शामिल है।' एफएटीएफ ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा था कि वित्तीय सहायता के बिना ऐसे हमले संभव नहीं थे। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। एफएटीएफ की रिपोर्ट का नाम 'कॉम्प्रिहंसिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क' है। 131 पेज की रिपोर्ट बताती है कि कैसे आतंकवाद की फंडिंग के तरीके बदल रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में राफेल खोने का पाक दावा खारिज

फ्रांस की दसॉल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपियर ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय राफेल को मार गिराने के पाक के दावे को खारिज कर दिया। ट्रैपियर ने स्पष्ट किया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमान पाकिस्तान के किसी हमले की वजह से नहीं, बल्कि ऊंचाई पर हुई तकनीकी खराबी के कारण खोया था। भारत व पाकिस्तान के बीच 7 मई से शुरू हुई झड़प और भारत की ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई के दौरान पाकिस्तानी एयर फोर्स (पीएएफ) ने यह दावा किया था कि उसने भारतीय वायुसेना के 5 लड़ाकू विमानों को मार गिराया।

फ्रेंच निर्माता कंपनी दसॉल्ट ने रखा तथ्य

अमेजन से एल्युमिनियम पाउडर खरीदा

एफएटीएफ 200 अधिकार क्षेत्रों वाले अपने वैश्विक नेटवर्क द्वारा उपलब्ध कराए गए मामलों को संकलित करते हुए 'आतंकवादी वित्तपोषण का व्यापक विश्लेषण' करेगा। भारत में आतंकवादी हमले के लिए सामग्री की खरीद के मकसद से अमेजन जैसे ई-कॉमर्स मंचों के इस्तेमाल का जिक्र करते हुए कहा कि हमले में इस्तेमाल किए गए 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी यानी देसी बम) का एक प्रमुख घटक-एल्युमिनियम पाउडर ई-कॉमर्स मंच 'अमेजन' के जरिए खरीदा गया था। इस सामग्री का इस्तेमाल विस्फोट के प्रभाव को बढ़ाने के लिए किया गया था।

अब तक 26 अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले, ब्राजील के साथ द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे

पीएम मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च सम्मान 'नेशनल ऑर्डर ऑफ सदर्न क्रॉस' से नवाजा

रियो डी जेनेरियो(एजेंसी)। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पीएम नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किया। यह सम्मान उन विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने ब्राजील व उनके देश के बीच संबंधों को मजबूत किया हो। भारत-ब्राजील संबंधों के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें ब्राजील का सर्वोच्च सम्मान मिलना 140 करोड़ भारतीयों के लिए गर्व की बात है। इससे पहले मोदी को घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो में भी सर्वोच्च सम्मान मिल चुका है। पीएम मोदी इस वक्त पांच देशों के विदेश दौरे पर हैं। मई 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी विदेशी सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह 26वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

पीएम मोदी ने कहा कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत व ब्राजील की शून्य सहिष्णुता और शून्य दोहरा मापदंड की सोच समान है। भारत व ब्राजील दोनों आतंक और इसका समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं। **(पैकेज पेज 8 पर)**

पांच साल में आपसी ट्रेड 1.70 लाख करोड़ करने का लक्ष्य

पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने अगले पांच साल में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर (1.70 लाख करोड़) तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। मोदी ने कहा- फुटबॉल ब्राजील की आत्मा है, तो क्रिकेट भारतीयों का जुनून। चाहे गेंद बाउंड्री पार जाए या गोलपोस्ट में, 20 अरब डॉलर की साझेदारी मुश्किल नहीं है। उन्होंने एनर्जी सेक्टर में बढ़ते सहयोग पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण और क्लीन एनर्जी दोनों देशों की प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने सीओपी 30 बैठक के लिए राष्ट्रपति लूला को बधाई दी। उन्होंने डिफेंस सेक्टर में बढ़ते सहयोग को आपसी विश्वास का प्रतीक बताया और कहा कि दोनों देश अपनी डिफेंस सेक्टर को एकजुट करने की कोशिश जारी रखेंगे। इससे पहले राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने उनका स्वागत किया।

बिटचैट लॉन्च : बिना इंटरनेट के भी अब कर सकेंगे चैटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्वीटर के को-फाउंडर जैक डोर्सी ने नया मैसेजिंग एप रिलीज किया है। इसकी खासियत है कि यह बिना इंटरनेट के भी काम करेगा। इस एप का नाम बिटचैट है, जो बिना सेंट्रलाइज्ड सर्वर या फोन नेटवर्क के काम करेगा। प्राइवेसी को फोकस में रखते हुए इसे फिलहाल आईफोन यूजर्स टेस्ट फ्लाइट मोड में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पूरी तरह से ब्लूटूथ लो इनर्जी नेटवर्क पर काम करता है। यह स्मार्टफोन का लोकल क्लस्टर तैयार करता है और एक डिवाइस से दूसरे डिवाइस पर एनक्रिप्टेड मैसेज शेयर करता है। यह ब्लूटूथ नेटवर्क पर काम करता है।

न्यायपालिका कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त हो : सीजेआई

मुंबई (भाषा)। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण रामकृष्ण गवई ने मंगलवार को कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर ने संविधान की सर्वोच्चता की बात की थी। उनका मानना था कि न्यायपालिका को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने महाराष्ट्र विधानमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर ने कहा था, न्यायपालिका को नागरिकों के अधिकारों की प्रहरी और संरक्षक के रूप में काम करना है।

चीफ जस्टिस गवई बोले, न्यायपालिका नागरिकों के अधिकारों की प्रहरी और संरक्षक के रूप में काम करें

देश में 25 करोड़ कामगार आज हड़ताल पर रहेंगे

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय और क्षेत्रीय श्रमिक संगठनों से जुड़े 25 करोड़ से अधिक कर्मचारी बुधवार को नए श्रम कानूनों और निजीकरण के विरोध में देश भर में हड़ताल पर जाएंगे। कर्मचारियों की हड़ताल से बैंकिंग, डाक व अन्य सेवाओं में व्यवधान पैदा होने की आशंका है। श्रमिक संगठनों ने न्यूनतम मासिक वेतन 26,000 रुपये करने और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने जैसी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के मकसद से देशव्यापी हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। संयुक्त किसान मोर्चा और नरेगा संघर्ष मोर्चा जैसे संगठनों ने भी इस हड़ताल को समर्थन दिया है।

किसान संगठन भी समर्थन में उतरे

घोषणा अमेरिका ने जवाबी शुल्क निलंबन एक अगस्त तक बढ़ाया

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के करीब कई देशों को शुल्कों का विवरण पत्र भेजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौता करीब है। उनके प्रशासन ने कई देशों को आयातित उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का विवरण देते हुए पत्र भेजना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने सोमवार को कहा, 'हमने ब्रिटेन और चीन के साथ समझौता किया है। भारत के साथ एक समझौता करने के बेहद करीब हैं।' हमने अन्य लोगों से भी मुलाकात की थी और हमें नहीं लगता कि हम समझौता कर पाएंगे, लिहाजा हमने उन्हें एक पत्र भेजा है। यदि आप अपना सामान (अमेरिका) भेजना चाहते हैं, तो आपको इसका (शुल्क का) भुगतान करना होगा।' अमेरिकी प्रशासन ने दो जुलाई से लगाए गए उच्च शुल्क के निलंबन को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है। इससे भारतीय निर्यातकों को राहत मिलेगी। साथ ही भारत और अमेरिका को अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लंबित मुद्दों को सुलझाने के वास्ते अतिरिक्त समय मिलेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत कोई भी व्यापार समझौता समयसीमा के आधार पर नहीं करता है और समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब यह पूरी तरह से अंतिम रूप ले लेगा, उचित रूप से संपन्न हो जाएगा और राष्ट्रीय हित में होगा।

ट्रंप ने 14 देशों पर लगाया टैरिफ, म्यांमार पर 40% शुल्क

भारत व्यापार समझौते पर सावधानी से आगे बढ़े

आर्थिक शोध संस्थान टैंक जीटीआरआई ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) ने कहा, 'अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मॉडल' मुक्त व्यापार समझौते का नहीं, बल्कि अमेरिकी जवाबी शुल्क के सामने झुकने का है। अमेरिका ने बढ़ाए गए शुल्क लागू करने की समय-सीमा को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है, जिससे देश-विशिष्ट शुल्क लागू होने से पहले अंतिम तीन सप्ताह का समय मिल जाएगा।

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

सौ वर्षीय प्लान!

एलआईसी का जीवन उमंग

UIN No.: 512N312V03 PLAN NO: 745

एक पार, नॉन-लिंक्ड, व्यक्तिगत, बचत, आजीवन बीमा प्लान

अंतिम प्रीमियम के बाद से लेकर 99 वर्ष की आयु तक हर वर्ष पाइए मूल बीमाधन राशि का 8% के बराबर गारंटीड उत्तरजीविता लाभ और 100 वर्ष की आयु तक जीवित रहने पर एकमुश्त परिपक्वता लाभ.

विशेषताएँ :
- आयु योग्यता : 30 दिन से लेकर 55 वर्ष तक
- न्यूनतम मूल बीमाकृत राशि : ₹ 2,00,000/-
- अधिकतम मूल बीमाकृत राशि : कोई सीमा नहीं
- प्रीमियम भुगतान अवधि : 15, 20, 25 एवं 30 वर्ष
- पॉलिसी अवधि : (100 में से प्रवेश पर आयु घटाकर) वर्ष

प्रमुख विशेषताएँ :
- 100 वर्ष की आयु तक आजीवन जोखिम बीमा-सुरक्षा
- पूरी अवधि में बोनस
- अंतिम अतिरिक्त बोनस (यदि कोई हो)
- ऋण सुविधा

अपने अभिकर्ता/शाखा से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.licindia.in पर विजिट करें या 'YOUR CITY NAME' को 56767474 पर एसएमएस करें (जैसे 'मुंबई')

हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'

डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप LIC digital

कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever

नकली फोन कॉल्स और झूठे/धोखाधड़ी पूर्ण ऑफ़र्स से सावधान रहें. आईआरडीएआई जीवन बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस घोषित करने या प्रीमियमों के निवेश जैसी गतिविधियों में संलग्न नहीं है. ऐसे फोन कॉल प्राप्त करने वाले व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करवाएँ.

बिक्री समापन से पूर्व अधिक जानकारी या जोखिम घटकों, नियम और शर्तों के लिए बिक्री पुस्तिका को ध्यानपूर्वक पढ़ें.

IRDAI Regn No.: 512

LIC/P1/2024-25/20/Hin

खबर संक्षेप

24 सप्ताह तक के गर्भपात को रिवर्स ट्रैक करें सीएमओ : एसीएस

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव के निर्देशानुसार हरियाणा में लिंगानुपात में सुधार के लिए गठित राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साप्ताहिक बैठक आज यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एसीएस ने सीएमओ को गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक किए गए गर्भपात की रिवर्स ट्रैकिंग शुरू करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य ऐसी प्रक्रियाओं में शामिल चिकित्सकों की पहचान करना तथा उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्रवाई शुरू करना है। रिवर्स ट्रैकिंग के लिए एक व्यापक प्रक्रिया पहले ही सभी सीएमओ के साथ साझा की जा चुकी है। हरियाणा का लिंगानुपात इस वर्ष 7 जुलाई तक सुधरकर 904 हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 903 था।बैठक में यह भी बताया गया कि अवैध मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) केंद्रों पर कड़ी कार्रवाई के कारण राज्य भर में लगभग 500 ऐसे केंद्र बंद कर दिए गए हैं। इसके कारण पिछले दो महीनों में वैध एमटीपी में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है।

मंत्री को मलाईदार पदों पर पोस्टिंग की सिफारिश करना पड़ा महंगा

विज ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, परिवहन और ऊर्जा विभाग में करप्शन, तुरंत जांच करवाओ

- अनिल विज के पत्र से दागियों के उड़े होश
- भ्रष्टाचार की बू आने के बाद उठाया कदम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा के परिवहन और ऊर्जा, श्रम मंत्री ने अब अपने परिवहन और ऊर्जा विभाग के कुछ अहम पदों पर बैठने के लिए बड़े बड़े लोगों की सिफारिश कराना इस तरह के लोगों के गले की फांस बनने जा रहा है। अब विज ने सारे माजरे और भ्रष्टाचार की बू आने के बाद में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर (सीएम फ्लाइंग) को मामला सौंपकर जांच के लिए कहा है।

विज ने मीडिया के पूछे जाने पर पत्र भेजने की बात स्वीकार की है। उन्होंने सीएम फ्लाइंग को जांच के लिए पत्र भेजकर आए दिन सीईआई और एमवीआई जैसे पदों पर ट्रांसफर के लिए आ रही थी सिफारिशों का जिक्र किया है। इन पदों पर बड़ी संख्या में मारामारी के मामले को समझते हुए उन्होंने इस तरह की सीटों पर शिकंजा कसने के लिए कदम उठा दिया है। अब मंत्री विज द्वारा पत्र लिखे जाने के बाद में दागी कर्मियों और माल कमाने वाले अफसरों में हड़कंप मच गया है। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने दरअसल, जो पत्र लिखा है, उसमें ऊर्जा विभाग (बिजली महकमे) में चीफ इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर (सीईआई) और परिवहन विभाग में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) पदों को लेकर जांच के लिए सीएम फ्लाइंग को पत्र लिख दिया है। बताया गया है कि मंत्री विज को उनके सूत्रों ने अवगत करा दिया था कि इन अहम पदों पर काफी लूटपाट और करप्शन फैला होता है। इस तरह से लोग जुगाड़ व सिफारिश कराने के साथ ही इन सीटों पर बैठना चाहते हैं।

ऊर्जा विभाग में सीईआई और परिवहन में एमवीआई पदों पर बैठने के लिए कर्मचारी लगा रहे रसूखदारों का जुगाड़

एमवीआई वाहन सुरक्षा प्रमाण पत्र देने का काम करता है

आरटीए ऑफिस एमवीआई अर्थात मोटर व्हीकल, इंस्पेक्टर वाहनों को फिटनेस सर्टिफिकेट देने का जिम्मा होता है। सुरक्षा और प्रदूषण मानकों की जांच का जिम्मा, यह अधिकारी सुनिश्चित होता है। इसमें ही बड़ा खेल होता है, हर गाड़ी की पासिंग उसकी फिटनेस तमाम बातों को चेक किया जाता है। बताते हैं कि खराब गाड़ियों को पासिंग, कमर्शियल वाहनों को फिटनेस देने में अच्छी खासी सेवा होती है, इसलिए बड़ा खेल इस पोस्ट के लिए चलता है।

सीईआई बड़े संस्थानों में सुरक्षा मानकों को देखता है

हरियाणा में चीफ इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर का काम अहम होता है। बड़े संस्थानों में निरीक्षण के लिए जाने वाले इन अफसरों के आगे पीछे लोग घूमते हैं, सुरक्षा मानकों की जांच पड़ताल करने वाले इस पोस्ट के अधिकारी को भी ऊपरी आय होती है। हादसे और इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन में लापरवाही और खतरा नहीं हो ताकि जान माल की रक्षा हो सके, इस बात को सुनिश्चित करना होता है, लेकिन ठीक तरह से पड़ताल के स्थान पर बस खानापूर्ति ही की जाती है।

विज बोले

अपने विभाग में गोलमाल नहीं चलने दूंगा

ऊर्जा और परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि जिस वक्त से उनके पास ऊर्जा और परिवहन विभाग आए हैं, तब से रोजाना उनके पास ऊर्जा विभाग में चीफ इलेक्ट्रिक इंस्पेक्टर और परिवहन विभाग में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर के पदों पर लगने व ट्रांसफर के लिए काफी सिफारिशें लगातार आ रहीं हैं। लोगों की अपील होती है कि परिवहन विभाग में एमवीआई में लगा दो और बिजली विभाग में चीफ इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर लगा दो। इतना ही नहीं यह लोग मंत्री विज पर दबाव भी डालते हैं, साथ ही काम नहीं बनने पर वे प्रभावशाली लोगों, विज के करीबियों को इमोशनल कर मदद की मांग करते हैं। इन सभी बातों को देखते हुए विज ने पूरे प्रदेश में इस तरह की पोस्टों पर बैठे अधिकारियों, कर्मियों को लेकर जांच करने के लिए कहा है।

विज अध्यक्ष कल्याण ने निकाय सम्मेलन में बेहतर काम करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया

चंडीगढ। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईकेट में 3-4 जुलाई को हुए राष्ट्रीय निकाय सम्मेलन में अग्रणीय भूमिका निभाने वाले नोडल अधिकारियों व कर्मचारियों की विधानसभा के समिति कक्ष में बैठक ली। उन्होंने राष्ट्रीय निकाय सम्मेलन की विशेष सफलता के लिए विधानसभा के सभी संबंधित कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन की कामयाबी से हरियाणा विधानसभा का कद दूर दराज के इलाकों में बढ़ा है और ये हम सब के लिए गर्व की बात है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/उ. रे/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–टेंडरिंग द्वारा इच्छुक ठेकेदारों से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जो कार्य के सामने दी गई तिथि 29.07.2025 को समय 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां अंतिम तिथि एंव समय तक ही जमा कर सकेंगे। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए बयाना राशि का भुगतान **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ई–पेमेंट गेटवे मोड के माध्यम से नकद में या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में या निविदा दस्तावेजों (अनुलग्नक–VIIA) में उल्लिखित तरीके से करने की अनुमति है। अधिक जानकारी के लिए **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
ओपन	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदाएं अपलोड करने की तिथि	**बोली प्रारंभ तिथि**	**बोली बंद होने की तिथि/समय**
07.07.2025	15.07.2025	29.07.2025

क्र. सं.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण			
1.	01–जीएस–इंजी–अंबाला/2025–26	अंबाला मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशन के सॉफ्ट अपग्रेडेशन/सुधार के लिए कला एवं संस्कृति के कार्य प्रावधान।			
	विज्ञापन मूल्य (रू0)	अग्रिम राशि (रू0)	ऑफर की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	
	49,19,370/-	98,400/-	60 दिन	02 माह	

ध्यान दें: बोली लगाने से पहले, बोली लगाने वाले को यह जांच लेना चाहिए कि निविदा के विरुद्ध कोई शुद्धिपत्र तो नहीं जारी किया गया। **खुली निविदा संख्या–01–जीएस–इंजी–अंबाला/2025–26 दिनांक: 09.07.2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2047/25

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय सोनीपत

मु.न. 258 दिनांक 27.06.2025 धारा 140 (3) बी.एन.एस. थाना सीटी गोहाना जिला सोनीपत ।

गुमशुदा की पहचान

नाम- अंशु।
पिता का नाम- सुरेंद्र ।
पता निजामपुर माजरा हाल गली न.3 हरफुल कालोनी गोहाना सोनीपत ।
उम्र-15 वर्ष
कद-5 फुट ।
हुलिया- रंग सांवला, लम्बुतरा चेहरा, काले बाल, काली आँखे, लम्बी नाक है।
पहनावा - काले रंग की जीन्स, लाल रंग की फुल बाजु टी-शर्ट पहना है।
सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि दिनांक 25-06-2025 को अंशु पुत्र सुरेंद्र वासी निजामपुर माजरा हाल गली न.3 हरफुल कालोनी गोहाना सोनीपत हरियाणा जो बिना किसी को बताए अपने घर से कही चला गया हैं। जो अब तक वापिस नही आया है। जिस सम्बंध में मुकदमा उपरोक्त दर्ज रजिस्टर है। अगर उपरोक्त गुमशुदगी बारे किसी व्यक्ति को कोई सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सुचित करें।
प्रबन्धक थाना- 7419410544
अनुसंधान कर्ता मो0 न08295339100
कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903,100

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस आयुक्त।
मुख्यालय, सोनीपत

पीआरडीएच-1084/11/3617/2026/36384/88/6 दि. 08.07.2025

एसवाईएल पर दोनों राज्यों के बीच दिल्ली में मंथन आज, सैनी और मान ने की तैयारी

बैठक में अपना-अपना पक्ष रखेंगे हरियाणा और पंजाब

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

आखिरकार एक बार फिर से पांच दशक पुराने सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर विवाद पर सुप्रीम अदालत के निर्देशों पर बुधवार को अहम बैठक पंजाब और हरियाणा के बीच होने जा रही है। इसके लिए पंजाब और हरियाणा के आला अफसर और प्रमुख चेहरे आमने-सामने होंगे। केंद्र की मध्यस्थता में नौ जुलाई को मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत मान और मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सैनी एसवाईएल के मुद्दे पर राज्यों की ओर से पक्ष रखेंगे।

केंद्र सरकार लगातार इस कोशिश में है कि एसवाईएल विवाद का कोई हल निकाला जाए। यह बैठक केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में होगी। बैठक इसलिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि 13 अगस्त को एसवाईएल के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। कोर्ट में सुनवाई से पहले केंद्र एसवाईएल विवाद पर पंजाब और हरियाणा के बीच सहमति बनाने के प्रयास में जुटा है। एसवाईएल के अलावा भी कई बार जल विवाद देखने को मिल चुका है। यहां पर बता दें कि बीते दिनों नंगल डैम से हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने के मुद्दे पर अच्छा खासा विवाद हो गया था। हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने से पंजाब की ओर से साफ मना कर दिया था। मुख्यमंत्री मान सतलुज-यमुना लिंक नहर पर यह स्पष्ट कर चुके हैं कि पंजाब के पास किसी भी अन्य राज्य को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। दावा है कि राज्य में 153 में से 115 ब्लॉक डार्क जोन में हैंऔर जहां भूजल स्तर 400 से 600 फुट नीचे चला है। मान कई बार सार्वजनिक तौर पर यह कह चुके हैं कि यमुना का पानी पंजाब को मिलना चाहिए, जो हरियाणा से यूपी से होते हुए पश्चिम बंगाल तक जा रहा है।

नहर पर वार्ता से पहले अफसरों से की चर्चा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सतलुज यमुना लिंक नहर (एसवाईएल) को लेकर आला अफसरों के साथ में अहम बैठक कर ली है। बुधवार को होने वाली बैठक को लेकर नायब सैनी के चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास पर बैठक की गई। इस दौरान संबंधित विभागों के अफसर मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को कंट्रोवर्सी से जुड़े सभी फैक्ट्स पर व्यापक तैयारी रखने और काम करने निर्देश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि पंजाब और हरियाणा इस बैठक में मजबूती से अपना-अपना पक्ष रखने की तैयारी कर रहे हैं। दोनों सीएम ने अधिकारियों को संबंधित दस्तावेजों अब तक हुई मीटिंगों का ब्योरा तैयार करने के निर्देश दिए थे, जिस पर अधिकारियों ने अपडेट भी दिया है।

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	एचएसवीपी रोहतक	प्रथम वर्ष के लिए निःशुल्क और शेष दो वर्ष के लिए श्रम दरों पर एलईडी को स्थल पर बदलना और ऑन/ऑफ प्रचालन, रखरखाव सहित निःशुल्क सभी अन्य मदों के लिए 3 वर्ष के डीएलपी और टी/एफ हेतु 6 वर्ष के डीएलपी समेत सेक्टर-40, पानीपत (डी/डब्ल्यू) में 200 केवी ट्रांसफॉर्मर, स्ट्रीट लाइट्स और रोशनी का प्रावधान (जीएसटी समेत)।	बंद होने की तिथि 14.07.2025	11.44 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416191870 xeneelectlk@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/36371/I/88/6 दि. 08.07.25

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	डीएचबीवीएन	एनआईटी सं. आरएफएस 06/पीडी एंड सी/2025-26 के तहत ई-निविदा के माध्यम से 2.25 एमडब्ल्यू क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड ग्राउंड माउंटेड सोलर पावर प्लांट के 5 वर्ष हेतु व्यापक ओ एवं एम और दूरस्थ मॉनिटरिंग सिस्टम आरएमएस तथा सोलर पावर प्लांट्स से सम्बन्धित 33 केवी अथवा 11 केवी लाइन की डिजाइन इंजीनियरिंग अधिप्राप्ति और आपूर्ति निर्माण एवं स्थापना परीक्षण प्रचालन।	07.07.2025 28.07.2025	ईएमडी 2 लाख	www.dhbvn.org.in	1662223216 cepdo@dhbvn.org.in
2	डीएचबीवीएन	प्रचालन वृत्त भिवानी के तहत 33 केवी सब स्टेशन सिशवाला, खुडाना बसई चप्पर, नूनसर, हस्सन, सिंघानी, पिचोपा – कलां, आरडी-ओ का पुनरोद्धार।	04.07.2025 28.07.2025	41.19 लाख	www.dhbvn.org.in	9813045911 xencvlhsr@dhbvn.org.in
3	डीएचबीवीएन	प्रचालन वृत्त भिवानी के तहत भिवानी में एक्सईएन सब अर्बन ऑफिस बिल्डिंग का निर्माण।	04.07.2025 28.07.2025	162.59 लाख	www.dhbvn.org.in	9813045911 xencvlhsr@dhbvn.org.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/60/36356/I/88/6 दि. 08.07.25

स्वच्छ कैथल स्वच्छ हरियाणा

OFFICE OF MUNICIPAL COUNCIL, KAITHAL
NEAR GOVT. BOY SCHOOL, KAITHAL -136027
E-MAIL:-eo-kaithal@ulbharyana.gov.in

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय सर्वोचय न्यायालय ने भारत संघ बनाम गुजरात राज्य एंव अन्य के रूप में विशेष अपील (सी) संख्या 8519/2006 में पारित दिनांक 29.09.2009 के आदेश के तहत निर्देश दिया कि उस तिथि के बाद सार्वजनिक सड़कों, सार्वजनिक स्थानों आदि पर मन्दिर, चर्च, मस्जिद या गुरूद्वारा आदि के नाम वा कोई अनाधिकृत निमार्ण नहीं किया जाएगा या अनुमति नहीं दी जाएगी और प्रारंभिक रूप से रिपोर्ट मांगने और कार्यान्यवन की निगरानी के बाद दिनांक 31.01.2018 के आदेश के तहत मामलों को प्रभावी तरीके से अपने आदेश के कार्यान्यवन को सुनिश्चित करने के लिए संबन्धित उच्च न्यायालय को भेज दिया गया है।

उच्च आदेशों के पालन में सरकारी भूमि, ग्रीन बैल्ट, सरकारी पार्क, सड़क, फुटपाथ इत्यादि पर बने अवैध धार्मिक संस्थान, स्ट्रफर, भवन आदि को तुरंत प्रभाव से हटा लें अन्यथा सम्बन्धित सक्षम अधिकारी द्वारा कानूनी कार्यवाही करते हुए उपरोक्त भवनों को तोड़-फोड़ कर हटा दिया जाएगा, जिसमे होने वाला हर्जा खर्चा के लिए उपरोक्त संस्थानों को चलाने वाले अनुयायी स्वंय जिम्मेवार होंगे। इसके अतिरिक्त संबन्धित के विरूद्ध दंडात्मक एंव न्यायालय के आदेश की अवमानना की कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी।

नोटिस (ई-ऑक्शन)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय जेल-1, हिसार के बन्दियों के भोजन के पश्चात बची हुई रोटियां, दाल सब्जी व छानस/पलोथन का आटा को सप्ताह में दो बार उठाने हेतु दिनांक 01.07.2025 से 30.06.2026 तक के लिए केन्द्रीय जेल-1, हिसार के कार्यालय द्वारा दिनांक 15.07.2026 को सुबह 9:00 बजे से सांय 04:30 बजे तक ऑनलाईन ऑक्शन करवाई जाएगी। कोई भी इच्छुक ठेकेदार ऑनलाईन ऑक्शन में भाग ले सकता है।

टैण्डर की शर्तें निम्नलिखित हैं:-

1. स्वीकृत ठेकेदार को 10,000 रू० बत्तौर धरोहर राशि अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा करवाने होंगे। और ऑनलाईन ऑक्शन हेतु ठेकेदार को DSC डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट क्लास तीन की जरूरत होगी। तथा ठेकेदार को https://eauction.gov.in पर साईन-अप करना होगा।
2. स्वीकृत ठेकेदार को बची हुई रोटियों व दाल सब्जी सप्ताह में दो बार जरूर उठानी होंगी।
3. स्वीकृत ठेकेदार की अवधि दिनांक 01.07.2025 से 30.06.2026 तक या सरकार जब तक उचित समझे के समय के लिए होगी।
4. यदि स्वीकृत ठेकेदार उपरोक्त शर्तों को तोड़ता है तो उसकी धरोहर राशि जब्त करके ठेके को समाप्त कर दिया जाएगा।
5. अधीक्षक जेल को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताए किसी भी ऑक्शन को स्वीकृत या अस्वीकृत कर सकता है।
6. इस कार्य में उत्पन्न किसी प्रकार के झगड़े या व्यवधान का निपटारा स्थानीय न्यायालय में होगा।
7. ठेकेदार जेल के अन्दर किसी भी बन्दी से किसी प्रकार का लेनदेन या व्यवहार नहीं करेगा और ना ही किसी प्रकार का ऐसा कार्य करेगा जो जेल नियमों के विरूद्ध हो। ऐसा करने पर उसे नियमों के अनुसार दण्डित किया जा सकता है।
8. अन्य शर्तें मौके पर सुना दी जाएंगी।

हस्ता/-अधीक्षक जेल
केन्द्रीय जेल, हिसार।

पीआरडीएच 1277/11/94/2026/36366/88/6 दि. 08/07/2025

स्वच्छ पुण्डरी स्वच्छ हरियाणा

MUNICIPAL COMMITTEE, PUNDRI
OPP.: C.I.S.K.M.V. COLLEGE, MAIN ROAD, PUNDRI-136026
E-MAIL:-secretarymcpundri01@gmail.com, Ph. 01746-270273

सार्वजनिक सूचना

"सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने भारत संघ बनाम गुजरात राज्य एवं अन्य के रूप में विशेष अपील (सी) संख्या 8519/2006 में पारित दिनांक 29.09.2009 के आदेश के तहत निर्देश दिया कि उस तिथि के बाद सार्वजनिक सड़कों, सार्वजनिक पार्कों या सार्वजनिक स्थानों आदि पर मन्दिर, चर्च, मस्जिद या गुरूद्वारा आदि के नाम पर कोई अनाधिकृत निर्माण नहीं किया जाएगा या अनुमति नहीं दी जाएगी और प्रारंभिक रूप से रिपोर्ट मांगने और कार्यान्वयन की निगरानी के बाद दिनांक 31.01.2018 के आदेश के तहत मामलों को प्रभावी तरीके से अपने आदेशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सम्बन्धित उच्च न्यायालय को भेज दिया है।

उच्च न्यायालय के आदेशों के पालन में सरकारी भूमि, ग्रीन बैल्ट, सरकारी पार्कों, सड़क, फुटपाथ, इत्यादि पर बने अवैध संस्थान स्ट्रक्चर, भवन आदि को तुरन्त प्रभाव से हटा लें अन्यथा सम्बन्धित सक्षम प्राधिकारी द्वारा कानूनी कार्यवाही करते हुए उपरोक्त भवनों को तोड़-फोड़ कर हटा दिया जाएगा। जिसमें होने वाले हर्जा खर्चा के लिए उपरोक्त संस्थानों को चलाने वाले अनुयायी स्वयं जिम्मेवार होंगे। इसके अतिरिक्त सम्बन्धित के विरूद्ध दंडात्मक एवं न्यायालय के आदेशों की अवमानना की कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी।"

मुख्य सचिव,
हरियाणा सरकार

भूपेंद्र सिंह हुड्डा बोले

एसवाईएल पर मीटिंग करने के बजाय अवमानना का केस दायर करे भाजपा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एसवाईएल को लेकर होने वाली प्रस्तावित बैठक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरकार को अब इन बैठकों के दौर से आगे बढ़ना चाहिए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का फैसला लंबे टाइम पहले हरियाणा के पक्ष में आ चुका है। हरियाणा के हिस्से का पानी दिलवाने की जिम्मेदारी कोर्ट ने केंद्र सरकार को सौंपी थी। हरियाणा और केंद्र दोनों जगह, बीजेपी की सरकार है। ऐसे में अब तक हरियाणा को उसके हिस्से का पानी मिल जाना चाहिए था। लेकिन भाजपा के हरियाणा विरोधी रवैये के चलते यह नहीं हो पाया। अब अगर सरकार इसके बारे में बात कर रही है तो उसे सीधे कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट का मुकदमा दायर करना चाहिए।

अर्जुन चौटाला ने कहा

एसवाईएल को लेकर हो रही बैठक के दौरान होश में आएं भगवंत मान

चंडीगढ़। एसवाईएल को लेकर हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्रियों की बुधवार को केंद्रीय मंत्री के साथ होने वाली बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इस बैठक में होश में आएं। पंजाब के मुख्यमंत्री मान जो कहते हैं कि यह पंजाब का पानी है किसी को नहीं देंगे, वो कौन से कुएं से एसवाईएल का पानी खोद कर लाए हैं। एसवाईएल का पानी तो सियाचिन ग्लेशियर से आता है, तो यह पंजाब का पानी कैसे हुआ। सतलुज यमुना लिंक विवाद पर केंद्र की मध्यस्थता में पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्री के बीच बुधवार को दिल्ली होगी बातचीत।

लाखों कर्मचारी और मजदूर आज हड़ताल पर

चंडीगढ़। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और कर्मचारी संघों की फेडरेशनों के आह्वान पर विभिन्न विभागों के कर्मचारी और औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर 9 जुलाई को हड़ताल पर रहेंगे। राज्य में इस हड़ताल का आह्वान प्रमुख कर्मचारी संगठन सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा व हरियाणा कर्मचारी महासंघ और मजदूर संगठन सीटू, एटक, एचएमएस, एआईयूटीयूसी तथा इनसे संबंधित सैकड़ों कर्मचारी एवं मजदूर संगठनों ने संयुक्त रूप से किया है। हड़ताल के कारण शहरी स्थानीय निकाय, बिजली, रोडवेज, जन स्वास्थ्य, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी बीएंडआर, स्वास्थ्य, वन, टूरिज्म, शिक्षा, रिवेन्यू, महिला एवं बाल विकास, एचएसवीपी आदि विभागों में कामकाज प्रभावित रहने की प्रबल संभावना है। आंगनबाड़ी, आशा व मिड डे मील वर्करों सहित ग्रामीण सफाई कर्मचारी भी बड़ी संख्या में हड़ताल पर रहेंगे। मजदूर संगठन सीटू, एटक, एचएमएस व एआईयूटीयूसी से जुड़े फरीदाबाद, गुरुग्राम, धारूहेड़ा, मानेसर, बावल, सोनीपत, पानीपत, हिसार में प्राइवेट कारखानों में काम करने वाले औद्योगिक मजदूर हड़ताल में शामिल होने की संभावना है। बैंकों, इंश्योरेंस, जरनल इंश्योरेंस, पोस्टल, दूरसंचार आदि केन्द्र सरकार के कई अन्य विभागों में भी हड़ताल रहेगी। कर्मचारी और मजदूर हड़ताल करेंगे और अपने अपने कार्यस्थलों पर केंद्र एवं राज्य सरकार की मजदूर एवं कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ और प्रदर्शन करेंगे इसके बाद हड़ताली मजदूर व कर्मचारी जुलूस निकालेंगे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

संख्याः एस.डब्लू/सिग/अंबाला/एन.आई.टी–04/2025–26 दिनांक 07.07.2025

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा खुलने कि तिथि समय	अनुमानित लागत रुपये	धरोहर राशि रुपये	कार्य पूरा करने कि अवधि
1.	ओटी-09/2025-26	दा वर्क फॉर काम्प्रीहेन्सिव ऐन्यूअल मैन्ट्नन्स कान्ट्रैक्ट ऑफ एम/एस सीमेंस मैक वेस्टरेस इलेक्ट्रॉनिक इन्टरलॉकिंग सिस्टम ओवर अंबाला डिविजन	04.08.2025 at 15.00 hrs	Rs. 38065987.44/-	Rs. 340300/-	36 महीने
2.	ओटी-10/2025-26	दा वर्क फॉर काम्प्रीहेन्सिव ऐन्यूअल मैन्ट्नन्स कान्ट्रैक्ट ऑफ एम/एस मेधा मैक (एम.एस.डी.ए.सी) सिस्टम इन राजपुरा–साराय बनजारा एण्ड साराय बनजारा–साधुगढ़ ऑटोमटिक सेक्शन ओवर अंबाला डिविजन फॉर पीरियड ऑफ थ्री एयर्स	04.08.2025 at 15.00 hrs	Rs. 12666940.38/-	Rs. 213300/-	36 महीने
3.	ओटी-11/2025-26	सिगनलिंग वर्क इन कनेक्शन विद डिफरैन्ट टी.टी.आर, सी.टी. आर, टी.आर.आर., टी.एस.आर, टी.डब्ल्यू.एस. एफ. एस, डब्ल्यू.सी. एम.एस.सी., सी एम.एस. ई वर्क्स ओवर अंबाला डिविजन	04.08.2025 at 15.00 hrs	Rs. 50899400.76/-	Rs. 404500/-	270 Days

नोट :– वरि. मंडल सिग. एवं टेली0 इंजी./उ.रे., डी.आर.एम. ऑफिस, रेल बिहार, अम्बाला छावनी के द्वारा इच्छुक निविदाकारों से उपरोक्त संदर्भित कार्यों हेतु खुली निविदा दशार्यी गयी तिथि अनुसार 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाकारों के द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज की स्केन प्रतिलिपि अपलोड करें। 1. टैन्डर डाकूमैंटस व निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर लाग ऑन करें। 2. निविदाकारों को ई–टेण्डरिंग में भाग लेने के लिए उनके पास क्लास ।।। डिजीटल सिगनेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए तथा उन्हें उपरोक्त साइट पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है। निविदाकारों से निवेदन है कि टैन्डर नोटिस और टेन्डर डाकूमेन्टस में दी गई हिदायतों/शर्तों इत्यादि को टैन्डर डालने से पहले भली भांति पढ ले। 2054/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खबर संक्षेप

देशद्रोह के आरोपी ताज को हाईकोर्ट से जमानत

फतेहाबाद। देशद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे फतेहाबाद निवासी मुश्ताक अहमद उर्फ डॉ. ताज मोहम्मद को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। आरोपी मुश्ताक अहमद उर्फ डा. ताज मोहम्मद की ओर से हाईकोर्ट में एडवोकेट निखिल घई ने पैरवी की। जस्टिस एनएस शेखावत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आरोपी मुश्ताक अहमद उर्फ डा. ताज मोहम्मद की जमानत याचिका मंजूर कर ली। गौरतलब है कि 10 मई को भारतऔर पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद आरोपी मुश्ताक अहमद उर्फ डॉ. ताज मोहम्मद ने अपने फेसबुक अकाउंट पर तीन वीडियो डाली थीं, जिसमें पीएम मोदी को बड़ी गलती करने और पाकिस्तान की जीत को दिखाया गया। 14 मई को फतेहाबाद भाजपा के जिला उपाध्यक्ष जगदीश राय शर्मा, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा और मंडल उपाध्यक्ष परमजीत बेनीवाल ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दी। 15 मई को मुश्ताक अहमद के खिलाफ फतेहाबाद शहर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया था।

ओलंपियन, 112 अंतरराष्ट्रीय, 310 नेशनल खिलाड़ी तैयार कर चुकी द्रोणाचार्य अवार्डी कैप्टन हवा सिंह एकेडमी, मुक्केबाजों के पंच को धार दे रहे संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

प्रशिक्षक संजय श्योराण मुक्कबाजों के साथ रिंग में छह घंटे बहा रहे पसीना

द्रोणाचार्य अवार्डी कैप्टन हवा सिंह एकेडमी के संचालक एवं भीम अवार्डी बॉक्सिंग कोच संजय श्योराण की रिंग में शिष्यों के साथ जमकर पसीने बहाने वाले कोच ने करीब सवा चार सौ अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के बॉक्सर तैयार किए है। इतना ही इन द्वारा तैयार किए गए बॉक्सर ओलम्पिक में भी जबरदस्त बाऊट लड़ी। हालांकि महिला बॉक्सर पूजा ओलंपिक में मेडल नहीं जीत पाई,लेकिन इतनी बड़ी प्रतियोगिता तक पहुंचकर इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। भीम अवार्डी बॉक्सिंग कोच संजय श्योराण का कहना है कि द्रोणाचार्य अवार्डी एवं अर्जुन अवार्डी कैप्टेन पिता स्व. हवा सिंह द्वारा भिवानी में जो बॉक्सिंग का पौधा लगाया था अब वह बरगद बन गया। उन द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए कोच संजय श्योराण की देखरेख में आज तक नर्सरी ने एक ओलंपियन, 112 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता तथा 310 नेशनल स्तर के खिलाड़ी दिए है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में कजाकिस्तान में हुई विश्व कप में कैप्टन हवा सिंह बॉक्सिंग एकेडमी की महिला बॉक्सर नुपूर श्योराण ने गोल्ड तथा पूजा बोहरा ने रजत पदक जीतकर देश का नाम सुनहेरे अक्षरों में दर्ज करवाया है।

- कजाकिस्तान में महिला बॉक्सर नुपूर श्योराण ने गोल्ड तथा पूजा बोहरा ने रजत पदक जीता

भीम अवार्डी कोच संजय श्योराण

कोच भीम अवार्डी संजय श्योराण ने बताया कि उनकी तमन्ना है कि उनकी एकेडमी के बॉक्सर ओलम्पिक में गोल्ड मेडल जीते। ओलम्पिक में शिष्य गोल्ड मेडल जीत कर एकेडमी का नाम रोशन करें, इसको लक्ष्य मानकर रोजाना छह घंटे शिष्यों के साथ खुद भी पसीना बहा रहे है। हालांकि बॉक्सिंग प्रशिक्षक भी है,लेकिन वे खुद रिंग पर उतर बॉक्सरों को बॉक्सिंग की बारीकियां सिखा रहे है। तीन घंटे सुबह तथा तीन घंटे शाम के वक्त रिंग में वे अपनी देखरेख में बॉक्सरों का अभ्यास करवा रहे है। उन्होंने बताया कि रिंग में कड़ी मेहनत की बदौलत भविष्य में होने वाले ओलम्पिक में उनकी एकेडमी के बॉक्सर गोल्ड मेडल जरूर जीतकर लाएंगे। यहां यह बताते चले कि कोच संजय श्योराण को वर्ष 1994 में प्रदेश सरकार ने बेहतरीन खिलाड़ी होने पर भीम अवार्ड से नवाजा था।

कैप्टन हवासिंह ने 1960 में गोवा मुक्ति युद्ध 1962,1965 व 1971 के युद्ध में हिस्सा लिया

द्रोणाचार्य अवार्डी कैप्टन हवासिंह ने सेना सेवा के दौरान ही वर्ष 1976-77 में एनआईएस का डिप्लोमा पास किया। कैप्टन हवासिंह का सेना सर्विस जीवन केवल खेल तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि देश के लिए 1960 में गोवा दमन युद्ध, 1962 में चाईना युद्ध, 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध तथा 1971 में (बंगला देश मुक्ति) पाकिस्तान तथा भारत युद्ध आदि सभी जंगी ऑपरेशनों में अग्रणी पंक्ति में रहकर देश की सेवा की तथा सभी युद्धों के सेवा मेडल प्राप्त किए।कैप्टन हवासिंह ने सेना में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहकर बॉक्सिंग जगत में सिक्का कायम किया और 27 वर्ष 200 दिन की सेना सेवा अवधि पूरी करके 28 फरवरी 1983 को सेवानिवृत हुए।

बॉक्सरों की तैयार कर दी फौज

द्रोणाचार्य अवार्डी कैप्टन हवासिंह ने भिवानी सांई में बॉक्सिंग का पौधा लगाया और अनेक मुक्केबाज तैयार किए। उन्होंने अर्जुन अवार्डी ओलंपियन महताब सिंह, अर्जुन अवार्डी राजकुमार सांगवान, ओलंपियन संदीप कुमार गोलन, अर्जुन अवार्डी जितेंद्र, भीम अवार्डी कोच संजय श्योराण, इंटर नेशनल मेडलिस्ट मनबीर सिंह, भूषण सैनी, भीम सिंह, राजीव, रामेश्वर, देवेंद्र गिल, दुर्गेश शास्त्री, दिलबाग सिंह, जयप्रकाश, लखविंद्र सिंह, प्रवीन कुमार, प्रीतम सिंह व रविंद्र आदि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज तैयार किए।

भिवानी को मिनी क्यूबा बनाया

कैप्टन को सरकार ने 1966 अर्जुन अवार्ड से किया सम्मानित

बताते है कि वर्ष 1966 में गुरु द्रोणाचार्य अवार्डी कैप्टन हवा सिंह को देश के लिए बॉक्सिंग में दो एशियन गोल्ड मेडल,11 बार नेशनल चैम्पियन रहने पर सरकार ने अर्जुन अवार्ड देकर सम्मानित किया था। वे सेना में कैप्टेन के पद पर रहकर देश की सेवा भी की। उन्होंने उसी वक्त भिवानी में बॉक्सिंग की पौध लगाई थी। आज उनकी बदौलत भिवानी बॉक्सिंग में मिनी क्यूबा के नाम से विख्यात हो चुकी है। उनके सबसे ज्यादा शिष्यों के पदक जीतने व बेहतरीन बॉक्सर तैयार करने पर सरकार ने गुरु द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया। यहां खास बात यह है कि इनका दाह संस्कार व प्रतिमा भी खेल (भीम स्टेडियम) स्टेडियम में स्थापित है।

- कैप्टन हवा सिंह ने एशियन गेम्स में दो गोल्ड मेडल जीते
- नेशनल खेलों में 11 बार पदक जीतने का रिकॉर्ड बनाया

हिसार में बर्थडे पर डीजे बजाने को लेकर युवकों व पुलिस में झड़प

पुलिस के डर से दो ने छत से छलांग लगाई, एक की मौत, दूसरा गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

■ परिजनों का आरोप- पुलिस कर्मचारियों ने छत से धक्का दिया

शहर के 12 क्वार्टर क्षेत्र में बर्थडे पार्टी में सड़क पर डीजे बजाने को लेकर सोमवार की रात साढ़े 11 बजे युवकों तथा पुलिस कर्मचारियों झड़प हो गई। पुलिस का आरोप है कि डीजे बजाने से मना करने पर युवकों ने मकान की छत से उन पर पथराव कर दिया। पुलिस ह म ला व र युवकों को पकड़ने के लिए उनके पीछे दौड़ी तो दो युवकों ने छत से छलांग लगा दी। कुछ देर के लिए पुलिस को बंधक भी बनाया गया। घायल 16 वर्षीय गणेश तथा 19 वर्षीय आकाश को तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां गणेश को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घायल आकाश की गंभीर हालत को देखते उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पथराव में 12 क्वार्टर पुलिस चौकी प्रभारी एसआई विनोद समेत चार पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। मृतक गणेश 10वीं कक्षा का छात्र था। उधर, मृतक के परिजनों को आरोप है कि पुलिस ने आते ही युवकों को जमीन पर गिराकर पीटा। जब युवक पुलिस के डर के मारे छत की तरफ दौड़े तो पुलिस ने उनका पीछा किया और छत से धक्का दे दिया। यह भी आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने घर में मौजूद महिलाओं और बच्चों के साथ भी मारपीट की और सबूत मिटाने के मकसद से घर में सीसीटीवी की डीवीआर भी उतारकर अपने साथ ले गई।

घटना के बाद से 12 क्वार्टर क्षेत्र में तनावपूर्ण हालात पैदा हो गए है। मौके पर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया।

- पुलिस कर्मचारी बोले, पहले छत से किया गया पथराव
- पुलिस पर महिलाओं व बच्चों के साथ मारपीट का आरोप

हिसार। सीएमओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे परिजन व क्षेत्रवासी।

परिजनों का पोस्टमार्टम से इनकार, पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज करने की मांग

मंगलवार सुबह पुलिस ने मृतक गणेश का पोस्टपार्टम करवाने की बात कही तो परिजनों ने कहा कि जब तक 12 क्वार्टर पुलिस चौकी इंचार्ज व नई सब्जी मंडी चौकी इंचार्ज को सस्पेंड नहीं किया जाता और घटना से जुड़े सभी पुलिस कर्मियों पर हत्या तथा एससीएसटी एक्ट का केस दर्ज नहीं किया जाता, तब तक वे शव पोस्टमार्टम नहीं करवाएंगे। मृतक के परिजनों तथा दलित संगठनों ने नागरिक अस्पताल में धरना शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारी परिजनों को मनाने में जुटी है। धरने के दौरान एक आरोपी पुलिसकर्मी भी अस्पताल में दिखाई दिया। इस पर उग्र भीड़ उसे पकड़ने के लिए दौड़ी। वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने बड़ी मुश्किल से स्थिति को संभाला।

हिसार ब्लास्ट मामला : प्रोफेसर ने बेचा था कबाड़, पुलिस ने रिमांड पर लिया

हिसार। हिसार में कबाड़ की दुकान में हुए ब्लास्ट में विस्फोटक पदार्थ बेचने वाले का खुलासा हो गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि असिस्टेंट प्रोफेसर ने विस्फोटक पदार्थ से भरा लोहे का पाइप बेचा था। जिसको तराजू पर रखते ही ब्लास्ट हो गया। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर पंकज केमिकल से संबंधित कुछ न कुछ एक्सपेरिमेंट करता रहता है। इससे भी वह एक्सपेरिमेंट ही कर रहा था, लेकिन सफल नहीं हो पाया। आखिर उसने इसे लोहे के पाइप में भरकर कबाड़ का काम करने वाले श्रीचंद को बेच दिया। सिटी थाना पुलिस सेक्टर 14 में करीब 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपी पंकज के घर पर पहुंची। अब आरोपी पंकज को कोर्ट में पेश कर चार दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है, जिसमें पुलिस पता लगाएगी कि पंकज ने विस्फोटक सामग्री कहां से खरीदी है और क्यों खरीदी थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी पंकज मूलरूप से बरवाला के वार्ड नंबर तीन का रहने वाला है। हाल ही में पंकज ने बरवाला में दूसरी जाति की महिला से लव मैरिज की थी। वह अभी सेंटर यूनिवर्सिटी महेंद्रगढ़ में तैनात है। पंकज ने पत्रकारिता से पीएचडी कर रखी है। यूनिवर्सिटी में जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर है। विस्फोट में कबाड़ी श्रीचंद गंभीर रूप से घायल हो गया था, बाद में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

सीवन के लाल संजय सिंह सैनी लेह-लद्दाख में शहीद

सीवन। खंड सीवन के गांव कवारतन का वीर जवान संजय सिंह सैनी देश सेवा करते हुए लेह-लद्दाख में शहीद हो गया। गांव का यह बेटा 10 सिख रेजिमेंट में फौजी था और वर्तमान में उसकी तैनाती लेह-लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में थी। शहीद संजय सिंह सैनी के चाचा के बेटे जागर सिंह ने बताया कि सोमवार को उन्हें सेना की ओर से सूचना मिली कि संजय सिंह ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए हैं। उन्होंने बताया कि संजय सिंह का परिवार बेहद साधारण है। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं। बड़ा बेटा लगभग 14 वर्ष और छोटा बेटा 11 वर्ष का है। इसके अलावा उनकी बुजुर्ग मां और एक बड़ा भाई भी परिवार में हैं। जागर सिंह ने बताया कि कुछ समय पहले ही संजय सिंह के पिता का देहांत हुआ था। उन्होंने बताया कि शहीद जवान का पोस्टमार्टम मंगलवार को कारगिल में किया जाएगा। इसके बाद बुधवार सुबह उनका पार्थिव शरीर कारगिल से लेह और वहां से हवाई मार्ग द्वारा चंडीगढ़ लाया जाएगा। चंडीगढ़ से पार्थिव शरीर अंबाला होते हुए गांव कवारतन पहुंचेगा, जहां पूरे सैन्य व राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस दुखद समाचार के बाद गांव में लोगों का हुजूम उनके घर पर उमड़ पड़ा है।

19.65 करोड़ लेकर भूमि की रजिस्ट्री करवाने से इनकार, तीन पर केस

जींद। सफीदों में जमीन की सौदेबाजी कर 19 करोड़ 65 लाख रुपये की राशि हड़पने तथा रजिस्टरी कराने के लिए दस करोड़ की डिमांड कर ब्लैकमेल करने करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पीड़ित को जान से मरवाने की धमकी भी दी गई। शहर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है।

राम नगर जींद निवासी कृष्ण ने सफीदों पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने सफीदों में सैक्टर 15 फरीदाबाद निवासी धुर्वे गुप्ता से 68 कनाल दो मरले भूमि को सौदा किया था। जमीन का मोल भाव तय होने के साथ उसने गत तीन जनवरी से 21 मई तक धुर्वे गुप्ता तथा उसके दोनों बेटों का वह 19 करोड़ 65 लाख रुपये का ब्याना के तौर पर दे चुका है।

जब उसने रजिस्टरी करवाने को कहा तो आरोपित आनाकानी करने लगे। जिसके बाद आरोपितों ने जमीन की रजिस्टरी कराने की एवज में तय राशि से दस करोड़ रुपये अतिरिक्त डिमांड कर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पुलिस ने कृष्ण की शिकायत पर आरोपित धुर्वे गुप्ता, उसके बेटे शिवांशु गुप्ता, वेंकट गुप्ता के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध करवाने के आरोप में तीन गिरफ्तार

गुरुग्राम। साइबर क्राइम मानेसर थाना पुलिस ने स्टॉक ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेन्ट करके अच्छा मुनाफा कमाने का प्रलोभन देकर ठगी करने के मामले में अकाउंट मुहैया कराने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, साइबर क्राइम मानेसर थाना में बीती 26 जुलाई को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि जालसाजों ने उसके साथ व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से स्टॉक ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेन्ट करके अच्छा मुनाफा कमाने का प्रलोभन देकर ठगी कर ली। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। मामले में कार्रवाई करते हुए एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान की अगुवाई में साइबर क्राइम मानेसर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार की टीम ने इस ठगी केस में अकाउंट मुहैया कराने वाले तीन आरोपियों को गुडग़ांव से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान राजस्थान के कोटा निवासी सिद्धार्थ मेघवाल, दीपेंद्र नागर व यूपी के इटावा निवासी शिवकुमार के रुप में हुई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि इस केस में ठगी गई राशि में से लगभग 13 लाख रुपए आरोपी राजकुमार के बैंक खाते में ट्रांसफऱ हुए थे। आरोपी राजकुमार ने यह बैंक खाता आरोपी दीपेंद्र को 10 हजार रुपए में बेचा था। आरोपी दीपेंद्र ने यह बैंक खाता आरोपी सिद्धार्थ को 20 हजार रुपए में बेचा था व आरोपी सिद्धार्थ ने यह बैंक खाता आगे अन्य को बेचा था।

मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव ने कैबिनेट मंत्री पर लगाया आरोप

पुलिस का नोटिस मिलने पर भरी सभा में फूट-फूट कर रोई मानेसर की मेयर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

खेड़कीदौला थाना में दर्ज हुए पार्षद के चचेरे भाई का किडनेप कर मारपीट के मामले में पति नाम सामने आने पर मानेसर की मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव भरी पंचायत में फूट-फूटकर रोने लगी। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें हयातपुर में आयोजित पंचायत में उन्होंने कहा कि केंद्रीय और राज्यमंत्री के बीच के विवाद में उनका परिवार पिस गया है। उन्होंने कैबिनेट मंत्री राव नरबीर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे अपने चहेते प्रत्याशी की हार बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं जिसके कारण

उनके पति पर झूठे केस दर्ज कराकर उन पर दबाव बना रहे हैं। इंद्रजीत यादव ने राव नरबीर पर आरोप लगाया कि वह चाहते हैं कि नगर निगम मानेसर के यह चुनाव रद्द हो जाएं और दोबारा चुनाव उनके मन मुताबिक हो। ऐसे में वह हर संभव प्रयास कर उनके परिवार पर एक षड़यंत्र के तहत दबाव बना रहे हैं।

पति को गलत तरीके से फंसाया

डॉ. इंद्रजीत ने कहा कि पार्षद दयाराम के चचेरे भाई पर हुए हमले के मामले में उनके पति राकेश का नाम गलत तरीके से एफआईआर में लिखवाया है। जबकि वारदात के समय पति राकेश उनके साथ मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कैबिनेट मंत्री पहले भी उनके साथ ऐसा कर चुके हैं।

बांग्लादेश, थाइलैंड सहित एक दर्जन पर लगा उच्च शुल्क

अमेरिका के कदम से भारत को कपड़ा 'फुटवियर' क्षेत्रों में होगा लाभ : निर्यातक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश और थाइलैंड सहित एक दर्जन से अधिक देशों पर उच्च शुल्क लगाने के अमेरिका के फैसले के बाद भारत के परिधान और 'फुटवियर' जैसे निर्यात क्षेत्रों को वहां के बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है। निर्यातकों ने यह बात कही।

- अमेरिकी फैसले से भारत को लाभ मिलने की उम्मीद

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। वहीं दक्षिण अफ्रीका, बोस्निया-हर्जेगोविना पर 30 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, बांग्लादेश, सर्बिया पर 35 प्रतिशत, कम्बोडिया, थाइलैंड पर 36 प्रतिशत और लाओस और म्यांमा पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान किया। ये शुल्क एक अगस्त से लागू होंगे।

खास बातें

- अमेरिका को परिधान निर्यात करने वाला बांग्लादेश तीसरा बड़ा देश
- परिधान क्षेत्र में भारत का अमेरिका को 2.5 अरब डॉलर का था निर्यात

बांग्लादेश की बाजार हिस्सेदारी 13.15 फीसदी

बांग्लादेश 2024 में 13.15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अमेरिका को परिधान (बिना बुना हुआ) का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। इस क्षेत्र में भारत का अमेरिका को निर्यात 2.5 अरब डॉलर था। लेकिन भारत शीर्ष तीन देशों में नहीं है।

कम्बोडिया भी परिधान निर्यात में भारत से आगे

बुने हुए परिधानों में कम्बोडिया की हिस्सेदारी करीब छह प्रतिशत है और वह भारत (5.09 प्रतिशत) से आगे है। एक निर्यातक ने कहा, ''अमेरिकी परिधान बाजार में भारत को बांग्लादेश और वियतनाम से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश पर उच्च शुल्क से अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।''

भारत के रबड़ के निर्यात में भी हो सकेगी वृद्धि

निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन) के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि चमड़ा और परिधान जैसे क्षेत्रों को भारत के प्रतिस्पर्धी देशों से प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है। मुंबई के एक निर्यातक ने कहा कि थाइलैंड पर बढ़े हुए शुल्क से रबड़ और उसके उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी हो सकती है।

हमें चमड़ा क्षेत्र में लाभ मिलेगा

थाइलैंड, अमेरिका को रबड़ का सबसे बड़ा निर्यातक है। उसकी हिस्सेदारी 15.16 प्रतिशत है, जबकि भारत 2.93 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ चौथे स्थान पर है। निर्यातक ने कहा, ''हमें चमड़ा क्षेत्र में भी लाभ मिलेगा।''

समझौते को अंतिम रूप देने में सावधानी से आगे बढ़े भारत : जीटीआरआई

आर्थिक शोध संस्थान टैंक जीटीआरआई ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) ने कहा, '' अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मॉडल' मुक्त व्यापार समझौते का नहीं बल्कि अमेरिकी जवाबी शुल्क के सामने झुकने का है।''

सोना बढ़कर 99,120 रुपए प्रति दस ग्राम

सोना 550 रुपए चढ़ा और चांदी रही स्थिर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्टॉकिस्टों की ताजा लिवाली के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 550 रुपये बढ़कर 99,120 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 98,570 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

सर्राफा संघ ने बताया कि 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 500 रुपये बढ़कर 98,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। इसके अलावा, चांदी की कीमतें मंगलवार को लगातार तीसरे सत्र में भी 1,04,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर अपरिवर्तित रहीं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना 11.42 डॉलर या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,325.09 डॉलर प्रति औंस रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक - कमोडिटीज, सौमिल गांधी ने कहा, व्यापार युद्ध के फिर से शुरू होने की आशंका बढ़ने के कारण सोने ने कल के नुकसान को उलट दिया और मंगलवार को बढ़त दर्ज की गई।

फास्टैग से टोल संग्रह पहली तिमाही में 19.6 प्रतिशत बढ़कर 20,682 करोड़ रुपये

नई दिल्ली । राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (एनईसीटी) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में फास्टैग के जरिये राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह 19.6 प्रतिशत बढ़कर 20,681.87 करोड़ रुपये हो गया। एनईटीसी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में टोल उपयोगकर्ताओं की संख्या भी 16.2 प्रतिशत बढ़कर 117.3 करोड़ हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 100.98 करोड़ थी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक अप्रैल, 2025 से देशभर के राजमार्ग खंडों पर टोल शुल्क में औसतन 4-5 प्रतिशत की वृद्धि की थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में कहा था कि सरकार 15 अगस्त से निजी वाहनों के लिए 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश करेगी।

साइप्रस की कंपनियां भारतीय पोत परिवहन क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी

नई दिल्ली (भाषा)। साइप्रस की कंपनियों इंटरओरिएंट नेविगेशन कंपनी लिमिटेड और डैनशिप एंड पार्टनर्स लिमिटेड ने भारतीय पोत परिवहन क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। इंटरओरिएंट ने बयान में कहा कि यह निवेश भारतीय पोत परिवहन क्षेत्र में अबतक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) है। इस क्षेत्र को 2005 में 100 प्रतिशत एफडीआई के लिए खोला गया था। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 15 जून, 2025 को साइप्रस यात्रा के कुछ दिन बाद की गई है। मोदी ने अपनी यात्रा के दौरान साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिड्स के साथ औपचारिक चर्चा की थी। बयान के अनुसार, इस निवेश के तहत सभी जहाज भारतीय ध्वज के तहत पंजीकृत होंगे। इंटरओरिएंट की स्थापना 1979 में हुई थी और यह 100 से अधिक जहाज के बेड़े का प्रबंधन करती है।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Sh. Jitesh Kumar Sharma, Civil Judge (Junior Division), Jhajjar
Gaurav Kumar alias Sonu son of Surender Singh son of Bishan Swaroop
Vs.
Tehsildar Beri
CNR No. HRJR02-000768-2025
Next Date:- 03-09-2025
PUBLICATION ISSUED TO:
Genral Public :- India
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 03-09-2025 at 10:00 a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Jhajjar *
Sd/- Jitesh Kumar Sharma, Civil Judge (Junior Division), Jhajjar
Dated, this day of 07-07-2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Sh. Amit Sheoran Additional Civil Judge (Senior Division), Maham
Sukhbir Singh S/o Late Ishwar
Vs.
General Public
CNR No. HRRHA0-000169-2025
Next Date:-03-11-2025
(It is therefore prayed that a decree for declaration in favour of the plaintiffs and against the defendants may kindly be passed to the effect that the plaintiff is entitled to correct his name as Sukhbir Singh s/o Late Sh. Ishwar instead of wrong name Satbir s/o Late Sh. Ishwar and as a consequential relief of mandatory injunction may kindly be passed in favour of the plaintiff and against the defendants and direct the defendants no.2 to correct the entry in the revenue records as Sukhbir Singh s/o Late Sh. Ishwar instead of wrong name Satbir s/o Late Sh. Ishwar. Suit for declaration with consequential relief of mandatory injunction.)
PUBLICATION ISSUED TO:
General Public
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 03-11-2025 at 10:00 a.m.
For details logon to **https:highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice& district=Rohtak**
Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Maham
Dated, this day of 04-07-2025

ई-नीलामी सूचना
अग्नि प्रभावित लगभग 13,000 कि.ग्रा. एंगल/पाइप/टोर स्टील, लगभग 4,500 कि.ग्रा. जीआई शीट्स और जल क्षतिग्रस्त रैग्स स्टॉक लगभग 35,000 कि.ग्रा.
इच्छुक खरीदारों को ''प्रति कि.ग्रा.'' आधार पर ''अग्नि प्रभावित लगभग 13,000 कि.ग्रा. एंगल/पाइप/टोर स्टील, लगभग 4,500 कि.ग्रा. जीआई शीट्स और जल क्षतिग्रस्त रैग्स स्टॉक लगभग 35,000 कि.ग्रा.'' के निपटान हेतु ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विषय मलबा ''जैसा है जहां है'', ''जो भी है वहां है'' और ''शिकायत नहीं'' आधार पर बेचा जाएगा और मै. पानीपत टैक्सटाइल्स से सम्बन्धित है। विषय सामग्रियों का निरीक्षण खसरा नं. 40/3, खेवट नं. 574, खतौनी नं. 810, गांव व डा. सुताना निकट गंगा फूड मिल, ऊंटला रोड, पानीपत, हरियाणा-132105 में केवल कार्यदिवसों को 09.07.2025 से 17.07.2025 के बीच पूर्वा. 10.00 बजे से अप. 5.00 बजे के बीच किया जा सकता है। निरीक्षण हेतु कृपया श्री प्रवीन अग्रवाल से 9896044000 अथवा श्री रिंकु से 8199037834 पर सम्पर्क करें।
ई-नीलामी 18.07.2025 को आयोजित की जाएगी।
ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें निहित प्रपत्र प्राप्त करने के लिए कृपया श्री शमशेर सिंह से 9709709992 पर सम्पर्क करें अथवा वेबसाइट : https://www.sealthedeal.co.in/ से डाउनलोड करें
नीलामकर्ता : सील दि डील जिसका पंजीकृत कार्यालय 148, पॉकेट सी2, सेक्टर-5, रोहिणी दिल्ली-110085 में है।
प्रपत्र और ईएमडी डिमांड ड्राफ्ट जमा करवाने की अन्तिम तिथि 17.07.2025 है।

बैंक, आईटी शेयरों में खरीदी से सेंसेक्स 270 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 270 अंक के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख के साथ बैंक तथा चुनिंदा आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में मजबूती आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 270.01 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 83,712.51 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में 18 लाभ में जबकि 12 नुकसान में रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 61.20 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,522.50 अंक पर बंद हुआ।

विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार लगभग पूरे कारोबार के दौरान सीमित दायरे में रहा। कारोबार समाप्त होने से पहले कुछ शेयरों में लिवाली हुई। निवेशकों को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में ठोस प्रगति का इंतजार है। इस बीच, अमेरिका ने जवाबी शुल्क लगाने की समयसीमा बढ़ाकर एक अगस्त कर दी है। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

चीनी पेशेवरों की वापसी से आईफोन 17 के उत्पादन पर कोई असर नहीं

एजेंसी : नई दिल्ली

एप्पल वेंडर के संयंत्र से चीनी प्रौद्योगिकी पेशेवरों की वापसी से आगामी आईफोन-17 के उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल भारत में उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार आगे बढ़ रही है। सूत्रों के अनुसार, भारत में एप्पल के वेंडर फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने भी चीन से पूंजीगत वस्तुओं की आपूर्ति में ढील का अनुभव किया है। ये वस्तुएं आईफोन के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं। आईफोन विनिर्माण के घटनाक्रम से अवगत एक सूत्र ने बताया, ''फॉक्सकॉन से चीनी पेशेवरों की वापसी से आईफोन के उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ा है। भारत में आईफोन-17 का उत्पादन तय समय के अनुसार होगा।'' इस मामले पर एप्पल, फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। कई सूत्रों ने बताया कि फॉक्सकॉन इंडिया के संयंत्रों में काम करने वाले सैकड़ों चीनी पेशेवर पिछले दो माह में चीन लौट गए हैं। उन्होंने बताया कि ये इंजीनियर निर्माण श्रृंखला और कारखाना डिजाइन को संभाल रहे थे।

रुपया 26 पैसे की बढ़त के साथ 85.68 प्रति डॉलर

मुंबई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर होने के कारण विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे बढ़कर 85.68 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

मार्केट न्यूज

हीर एक्सप्रेस का नया गाना 'डोरे डोरे दिल पे तेरे' हुआ रिलीज़

मुंबई। जब मस्ती भरे बोल, ढोल की थाप और प्यार भरी नोकझोंक मिलें, तो बनता है एक ऐसा गाना जो सिर्फ सुना नहल्ल, महसूस किया जाता है। 'हीर एक्सप्रेस' का नया डांसिंग ट्रैक 'डोरे डोरे दिल पे तेरे', 8 जुलाई को ज़ी म्यूज़िक कंपनी के ज़रिए रिलीज़ हो चुका है, और ये अभी से ही दर्शकों की प्लेलिस्ट में अपनी जगह बना चुका है।

- चुलबुली रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीता।
- दिविता जुनेजा के डेब्यू ने बटोरी तालियाँ।
- तनिष्क बागची के संगीत ने गाने को बनाया डांसिंग एंथम।
- यूके में शूट, इंटरनेशनल अंदाज़ में पेश हुआ गाना।

इस गाने की खास बात है इसकी चुलबुली रोमांटिक केमिस्ट्री - जहां एक ओर लड़का प्यार से मनाने की कोशिश करता है, वहीं लड़की हँसी-ठिठोली में भाव खा रही है। यही मासूमियत और मस्ती इसे बाकी गानों से अलग बनाती है।

रॉयल बर्कशायर (यूके) स्थित डिटन पार्क मैनर में फिल्माए गए इस गाने की हर फ्रेम में ग्लोबल स्टाइल और देसी दिल की झलक मिलती है। गाने में है ढोल की बीट, फ्लर्टिंग बॉडी लैंग्वेज, और एक ऐसी मॉडर्न लेकिन दिल से जुड़ने वाली वाइब, जो हर उम्र के दर्शक को कनेक्ट करता है।

गीत को नक्श अज़ीज़ और हरजोत कौर ने गाया है, संगीत दिया है तनिष्क बागची ने और मस्ती से भरे बोल लिखे हैं श्लोक लाल ने। तीनों की जुगलबंदी ने इसे एक डांसिंग एंथम बना दिया है जो शादी-ब्याह, कॉलेज फंक्शन्स और इंस्टाग्राम रील्स का नया फेवरिट बन सकता है। लेकिन अगर इस गाने की असली रूह की बात करें, तो वो हैं दिविता जुनेजा। अपने डेब्यू में ही दिविता ने जिस आत्मविश्वास, मासूमियत और नैचुरल स्क्रीन प्रेज़ेंस से सबको चौंकाया है, तो काबिले - तारीफ है। उनका हर एक्सप्रेशन, हर डांस स्टेप किरदार में घुला नजर आता है, जैसे वो एक्टिंग नहीं, उस पल को जी रही हों।

उनके साथ प्रीत कमानी की कैमिस्ट्री पहले से भी ज़्यादा सधी हुई और ग्लोबल नज़र आती है। साथ ही, चार्लट हैज़लबी और लेटन बेंटा जैसे ब्रिटिश कलाकारों की मौजूदगी इस गाने को एक इंटरनेशनल अपील देती है। गाने की कोरियोग्राफी की ज़िम्मेदारी संभाली है आदिल शेख ने - जिन्होंने अपने सिग्नेचर स्टाइल में बॉलीवुड का दिल और यूरोपियन चार्म को खूबसूरती से मिक्स किया है। 'हीर एक्सप्रेस' के इस दूसरे ट्रैक में मॉडर्न रोमांस, चुलबुला अंदाज़ और इंटरनेशनल प्रोडक्शन वैल्यूज़ का ऐसा तालमेल देखने को मिलता है जो आज की यंग जेनरेशन को खूब भाएगा। वहीं फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' 8 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
निविदा सूचना
यूजर-फ्रैंडली डिजिटल रिपोजिटरी और वेब-कम-मोबाइल एप्लीकेशन सहित डिजिटल डेटा स्टोरेज के साथ-साथ कार्य के क्षेत्र में विनिर्दिष्ट अन्य टास्क्स हेतु व्यापक सोल्यूशन के लिए आरएफपी।
निविदा दस्तावेज संस्कृति मंत्रालय की अधिकारिक वेबसाइट : **indiaculture.gov.in** और सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल : **eprocure.gov.in/eprocure/app.** से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
बोली जमा करवाने हेतु अन्तिम तिथि 28 जुलाई 2025 है।
सीबीसी-09101/11/0009/2526

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत में हाइड्रोजन मांग 2032 तक 88 लाख टन होगी

नई दिल्ली। देश में हाइड्रोजन की मांग 2032 तक तीन प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 88 लाख टन प्रति वर्ष होने की उम्मीद है। भारत ऊर्जा भंडारण गठबंधन (आईएसए) की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह के पहले दिन यहां जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 90 लाख टन सालाना से अधिक क्षमता की हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं की घोषणाओं के बावजूद, उनमें से कुछ ही अंतिम निवेश निर्णय पर पहुंच पाई हैं या घरेलू अथवा अंतरराष्ट्रीय बाजारों से दीर्घकालिक खरीद को लेकर समझौते किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 92 लाख टन सालाना हरित हाइड्रोजन परियोजना घोषणाओं में से 82 प्रतिशत चार राज्यों में हैं। ये राज्य हैं... ओडिशा (38 प्रतिशत), गुजरात (26 प्रतिशत), कर्नाटक (12 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (6 प्रतिशत)। घोषित परियोजनाओं में से लगभग 72 प्रतिशत अमोनिया उत्पादन के लिए हरित हाइड्रोजन के उपयोग को को लेकर है। जबकि 20 प्रतिशत ने अंतिम उपयोग के बारे में घोषणा नहीं की है।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कुछ सरकारी बैंकों ने मिनिमम बैलेंस की शर्त हटाई

अब नहीं पड़ेगी बैंक खाते में न्यूनतम बैलेंस रखने की जरूरत?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अब न्यूनतम बैलेंस की शर्त को हटाने पर विचार कर रहे हैं। कैनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक जैसे दिग्गज सरकारी बैंकों ने हाल ही में न्यूनतम बैलेंस की अनिवार्यता को हटा दिया था। हाल ही में वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और बैंकों के बीच हुई एक बैठक में यह मुद्दा उठा। मंत्रालय ने सीधा सवाल किया कि जब अधिकांश बैंकिंग सेवाएं डिजिटल हो चुकी हैं, तो फिर ग्राहकों पर बैलेंस का बोझ क्यों डाला जा रहा है। मिनिमम बैलेंस से मतलब एक बैंक खाते में बनाए रखे जाने वाली वह रकम है, जिसके न रहने पर

ग्राहक को जुर्माना चुकाना पड़ता है। आसान भाषा में कहें तो बैंक चाहता है कि आपके खाते में हमेशा कुछ न कुछ पैसा रहे, ताकि खाता चलता रहे। सरकारी बैंकों की बजाय निजी बैंकों के मिनिमम बैलेंस को लेकर नियम ज्यादा कड़े हैं।

आरबीआई की रिपोर्ट से खड़े हुए कान

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी फाइनेंशियल स्टैबिलिटी रिपोर्ट में संकेत दिए हैं कि अब बैंकों की देनदारी प्रोफाइल बदल रही है। अब बैंक ज्यादा भरोसा सावधि जमा (टर्म डिपॉजिट) और वाणिज्यिक पत्र (सीडीएस) पर कर रहे हैं, जो ज्यादा ब्याज वाले साधन हैं। वहीं, कम लागत वाले चालू और बचत खातों में जमा राशि की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एचवीपीएनएल	रेवाड़ी क्षेत्र में टर्नकी आधार में 132 केवी ट्रांसमिशन लाईस का निर्माण।	07.07.2025 01.08.2025	ईएमडी 120.18 लाख	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/36377/1/88/6 दि. 08.07.25

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रुपये	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	एचएसआईआईडीसी	आईएमटी सोहना में ग्राम विकास योजना के तहत गांव खेरली कंकर, ब्लॉक इन्द्री, जिला नूह में विकास कार्य यथा, सीवर लाइन और स्टॉर्म वाटर ग्रु-ड्रेन बिछाना।	09.07.2025 23.07.2025	284.19 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1722590481 contactus@hsidc.org.in
2	एचएसआईआईडीसी	टर्नकी आधार पर आईई बरही (हरियाणा) में 2×12.5 एमवीए, 33/11 केवी इंडोर सब स्टेशन के लिए डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और प्रचालन का कार्य।	07.07.2025 20.07.2025	6.77 करोड़	https://etenders.hry.nic.in	1722590481 contactus@hsidc.org.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/36381/1/88/6 दि. 08.07.25

शब्द पहेली - 5922

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■		29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाएँ
1. राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4. उदारता, बडप्पन-4
7. भोजन, खाद्य पदार्थ-2
8. प्रहरी, रक्षा करने वाला-3
9. अपशिष्ट पदार्थ-2
10. कामदेव, चंद्रमा-4
11. नाड़ी, नस-2
13. जबरन, जबरदस्ती-3
14. वायदा, वचन-2
15. भवन, आलय-3
17. आर्ट, हुनर-2
19. ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22. उद्देश्यहीनता-5
25. परिणाम-2
26. अंजन, नेत्रांजन-3
28. सांझ, संध्या-2
29. अधीन-3
30. निश्चित-2
32. निष्ठावान, सत्तानिष्ठ-4
34. बेइमान, सेंधमार-2
36. दाम, मूल्य-3
37. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38. मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39. अश्रु, आंसू-5

ऊपर से नीचे
1. स्वर्ण, कनक-2
2. गुजर करना-3
3. धैर्यवान-3,2
4. राशिचक्र की एक राशि-3
5. आंशिक भीगा हुआ-2
6. सामंजस्य-4
7. यायावर, बंजारा-5
10. चुनाव, वोटिंग-4
12. दुख, कष्ट-2
16. यज्ञ, होम-3
17. कमरा, रूम-2
18. उम्मीद, आस-2
20. जुड़वा-3
21. प्याला-2
22. हृदय, हार्ट-2
23. निकृष्टतर-4
24. बलवान, दमदार-5
25. स्वदेशवासी-5
26. आलसी, निठल्ली-4
27. बुरी आदत-2
31. भरोसा, विश्वास-3
33. आंचल, पल्लू-3
35. अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37. समय, वक्त-2

शब्द पहेली -5921 का हल

■	भ	स्मा	सु	र	■	दा	न	वी	र	■
नौ	■	■	ब	स	■	न	ग	■	■	म
ज	य	■	ह	म	ला	ब	र	■	म	ल
वा	र	■	■	■	न	■	■	■	न	म
न	व	जा	त	■	त	■	अ	न	मो	ल
■	र	■	ह	रा	म	खो	र	■	ह	■
अ	दि	क्षी	त	■	ला	■	ज	मा	न	त
स	गा	■	■	■	म	■	■	■	सिं	ह
मा	र	■	क	म	त	र	ता	■	ह	ल
न	■	■	मा	ही	■	ज	इ	■	■	का
■	म	स	ल	न	■	क	ना	ग	त	■

बिहार : उमेश नाम के शूटर से संपर्क किया, 4 लाख में हत्या की डील हुई

बिल्डर अशोक साह ने कराया था कारोबारी गोपाल खेमका का मर्डर

50 हजार एडवांस दिए, इन पैसों से शूटर उमेश ने अपने बच्चों की फीस भरी

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के कारोबारी गोपाल खेमका का मर्डर बिल्डर अशोक साह ने कराया था। इसके लिए उसने उमेश नाम के शूटर से संपर्क किया। 4 लाख में हत्या की डील हुई। 50 हजार एडवांस दिए गए थे। इन पैसों से शूटर उमेश ने अपने बच्चों की फीस भरी। उमेश ने गोपाल खेमका की रेकी की। उमेश ने अपने ही इलाके के रहने वाले शूटर विकास उर्फ राजा को खेमका के मर्डर की सुपारी दी, लेकिन विकास ने हत्या के लिए ज्यादा पैसों की डिमांड कर दी। इसके बाद उमेश ने खुद ही खेमका की हत्या कर दी। डीजीपी विनय कुमार ने मंगलवार शाम खेमका मर्डर केस का खुलासा किया है। डीजीपी ने बताया- 'पूरे शहर के सीसीटीवी कैमरे देखे गए।

पुलिस सीसीटीवी को ट्रेस करते हुए आरोपी के घर तक पहुंची। घर में जाने के उसके कपड़े, जूते अंदर से बरामद किए। इसके बाद उमेश को गिरफ्तार किया।

पूरे शहर के सीसीटीवी खंगाले, कपड़ों से हुई पहचान

हथियार भी हुए बरामद

आरोपी के कपड़ों से पहचान की गई। जहां तक वो सीसीटीवी में दिखा उसे ट्रेस किया गया। सीसीटीवी से हम बाइक को ट्रेस करते हुए आरोपी के घर तक पहुंचे। घर में जाने के बाद हमने वो कपड़े, जूते अंदर से बरामद किए। इसके बाद हमने उमेश यादव को गिरफ्तार किया। उसके घर से ही 59 राउंड गोलियां भी मिली थीं 'घटना में इस्तेमाल हथियार भी उमेश के घर से मिला था।

जमीन को लेकर हुई गोपाल खेमका की हत्या

पूछताछ में उमेश ने अशोक साह का नाम लिया। उसने बताया कि सुपारी अशोक साह ने ही दी थी। दोनों नालंदा के थे। शादी में दोनों की मुलाकात हुई थी। 'डेढ़ महीने पहले हत्या की प्लानिंग हुई थी। अशोक साह के मोबाइल में जमीन विवाद की बातचीत की कई रिकॉर्डिंग मिली है। पुलिस का कहना है कि खेमका की हत्या जमीन विवाद में ही हुई है। अशोक साह के घर से ढेरों जमीन के कागजात मिले हैं। अशोक साह कोतवाली थाना इलाके के उदयगिरी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 601 में रेंट पर रहता था।

हत्या का मुख्य संदिग्ध पटना में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के मामले का एक प्रमुख संदिग्ध पटना के दमरिया घाट इलाके में सोमवार देर रात पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध विकास उर्फ राजा (29) कई अन्य आपराधिक मामलों में भी वांछित था। एक अधिकारी ने बताया कि हत्या मामले की जांच कर रहे अधिकारियों की टीम गुप्त सूचना के आधार पर विकास की तलाश में देर रात करीब दो बजकर 25 मिनट पर दमरिया घाट पहुंची। पुलिस अधिकारी ने बताया, "पुलिस कर्मियों को देखते ही उसने भागने की कोशिश की और गोलियां भी चलाईं। अधिकारियों ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें वह मारा गया।" उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी भी पुलिसकर्मी को कोई चोट नहीं आई है। अधिकारी ने बताया कि मौके से एक पिस्तौल एवं कारतूस बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा, "आशंका है कि विकास ने ही खेमका की हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार मुहैया कराया था।" पुलिस ने पहले ही उमेश राय नामक बंदूकधारी को गिरफ्तार कर लिया है और एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

विपक्ष के आरोपों पर ईसी की दो टूक

यह पूरी तरह 'समावेशी' प्रक्रिया सभी आरोप बेबुनियाद और बेतुके

मतदाता सूची संशोधन पर बिहार में सियासी तूफान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार की मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर तगड़ा हमला बोला है। इस बीच चुनाव अधिकारियों ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह समावेशी है। इसमें सब कुछ समाहित किया गया है। इसे लेकर लगाए जा रहे सभी आरोप बेबुनियाद और बेतुके हैं। विपक्ष ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग पर हमला तेज कर दिया है। उनका कहना है कि इससे करोड़ों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी सोमवार को बिहार में मतदाता सूची संसोधन या गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई थी।

कोर्ट भी पहुंचा मामला

विपक्षी दलों कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, जेएमएम, सीपीआई और सीपीआई (एमएल) के नेताओं ने मामले में मिलकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कई अन्य याचिकाएं भी इस साल के अंत में बिहार में होने वाले चुनावों से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई हैं।

नीतीश सरकार ने नौकरियों में महिलाओं के लिए आरक्षण स्थायी निवासियों तक किया सीमित

पटना (भाषा)। बिहार मंत्रिमंडल ने मंगलवार को निर्णय लिया कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण अब केवल राज्य की स्थायी निवासियों तक ही सीमित रहेगा। यह निर्णय राज्य में चुनाव से महज कुछ महीने पहले लिया गया है, जब सरकारी नौकरियों में अधिवास नीति लागू करने की मांग बढ़ रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (मंत्रिमंडल सचिवालय) एस सिद्धार्थ ने कहा,"मंत्रिमंडल ने सामान्य प्रशासन विभाग के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण को केवल बिहार की स्थायी निवासियों के लिए ही सीमित किया गया है।

युवा आयोग की घोषणा

नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिहार युवा आयोग गठित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे "राज्य में रोजगार के अवसरों की कमी" के आरोपों के बीच, विधानसभा चुनाव से कुछ महीनों पहले यह निर्णय लिया गया है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में बवाल

मुहर्रम जुलूस के दौरान हिंदुओं पर निशाना, दुकानों पर बांस से हमला

एजेंसी ▶▶ मामदा

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में मुहर्रम के जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया। यह घटना इंग्लिशबाजार इलाके की है, जहां रविवार शाम ताजिया निकाले जाने के दौरान विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि जब मुहर्रम का जुलूस लक्ष्मीकांतपुर गांव के पास से गुजर रहा था, तभी जुलूस में शामिल कुछ लोगों पर स्थानीय दुकानों पर बांस और लाठियों से हमला करने का आरोप लगाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जुलूस में शामिल कुछ लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस का कहना है कि यह विवाद अमरूद के पेड़ की डाल काटने को लेकर शुरू हुआ था। पुलिस के अनुसार, दो दुकानों पर बांस से हमला किया गया, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और मौके पर पहुंचकर पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया।

सरकार के इंतजाम रहे नाकाफी

अब से 24 घंटे पहले देशभर में मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। पूरे देश में मोहर्रम के जुलूस के लिए खास इंतजाम किए गए थे। पुलिस-प्रशासन अलर्ट पर था। प्रशासन ने अपनी तरफ से हुड़दंग और हिंसा रोकने की पूरी तैयारी की थी, लेकिन कुछ कट्टरपंथियों ने मुहर्रम के जुलूस को शक्ति-प्रदर्शन में बदल दिया। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश में जगह-जगह मुहर्रम जुलूस के दौरान हिंसा हुई। बिहार में पूर्वी चंपारण में अजय यादव की तलवार से काट कर हत्या कर दी गई. अजय स्थानीय राजनीति में सक्रिय थे। उनके बड़े भाई पंचायत का चुनाव लड़ चुके हैं।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में अगले सप्ताह होगी फांसी

नई दिल्ली (ब्यूरो.)। केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में अगले सप्ताह 16 जुलाई 2025 को फांसी दी जाएगी। यमन के एक नागरिक की हत्या के आरोप में वहां की अदालत ने यह फैसला सुनाया था। जिस पर पिछले साल 2024 में यमन के राष्ट्रपति ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी थी। वहीं, इस पूरे मामले पर विदेश मंत्रालय कड़ी निगरानी रखे हुए है। जिसमें वह न केवल यमन में अधिकारियों के साथ संपर्क में बना हुआ है। बल्कि निमिषा के परिवार के भी लगातार संपर्क में है। जिसका उद्देश्य उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करना है। निमिषा ने वर्ष 2008 में नर्सिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने गृह राज्य केरल में ही नौकरी की शुरुआत की।

भाजपा की चार सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम ने जेपी नड्डा को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (ब्यूरो.)। भाजपा की चार सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम ने गत 25 जून को दक्षिण कोलकाता में लॉ कॉलेज में 24 साल की छात्रा के साथ कथित गैंगरेप की घटना की जांच रिपोर्ट मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंप दी। इस टीम का नेतृत्व पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह ने किया, जिसमें मीनाक्षी लेखी, बिप्लब कुमार देब और मनन कुमार मिश्रा शामिल थे। मंगलवार को नड्डा को रिपोर्ट सौंपने के बाद भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए टीम ने आरोप लगाया है कि राज्य प्रशासन ने उनके साथ सहयोग नहीं किया। साथ ही टीम ने मामले में स्वतंत्र जांच की मांग की है। पूर्व सांसद सत्यपाल सिंह ने आरोप लगाया कि एक महिला मुख्यमंत्री होकर भी ममता बनर्जी महिलाओं की सुरक्षा नहीं कर पा रही हैं।

जेन स्ट्रीट की जांच 2024 में शुरू हुई नियामकीय विफलता का सवाल नहीं : बुच

नई दिल्ली (ब्यूरो)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक अप्रैल, 2024 से जेन स्ट्रीट मामले पर नजर रखे हुए है। उन्होंने नियामकीय विफलता का आरोप लगाने के प्रयासों को "दुर्भाग्यपूर्ण" बताया। मीडिया में आ रही खबरों के बाद लिखित बयान में बुच ने जेन स्ट्रीट के खिलाफ सेबी के अंतरिम आदेश के घटनाक्रम का उल्लेख किया। सेबी ने विदेशी हेज कोष जेन स्ट्रीट पर हेराफेरी के जरिये वायदा एवं विकल्प सौदों से अर्जित 4,800 करोड़ रुपये से अधिक राशि को जब्त करने और उसकी बाजार पहुंच रोकने का पिछले सप्ताह आदेश जारी किया था। बुच ने बयान में कहा, " यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया का एक वर्ग स्पष्ट तथ्यों को नजरअंदाज कर रहा है और यह कहकर गलत कहानी गढ़ने का प्रयास कर रहा है कि सेबी की ओर से नियामकीय विफलता हुई है।" बुच ने कहा कि घटनाक्रम से पता चलता है कि सेबी ने मामले की जांच अप्रैल, 2024 में ही शुरू कर दी थी।

सुप्रिया श्रीनेत ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और केंद्र की मोदी सरकार पर भारतीय शेयर बाजार में अमेरिकी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट द्वारा कथित हेरफेर और अवैध मुनाफाखोरी को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने सेबी की निष्क्रियता और छोटे निवेशकों को भारी नुकसान होने देने के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

हरियाणा सरकार

"सरकार ने समस्याओं के स्थायी समाधान देने का प्रयास किया है। यह निर्णय लिया गया है कि कोयला आधारित बिजली संयंत्र भी पराली का उपयोग करेंगे। इससे किसानों को कृषि-कचरे से अतिरिक्त आय भी होगी।"
- नरेन्द्र मोदी

पराली सप्लाई चेन (फसल अवशेष प्रबंधन) पर अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रित, वर्ष 2025-26

- प्रोजेक्ट लागत मूल्य 1 करोड़ रुपये अथवा 1.5 करोड़ रुपये।
- **प्रथम विकल्प** : परियोजना लागत का 65% अनुदान, 25% उद्योग एवं 10% एग्रीगेटर का अशंदान।
- **द्वितीय विकल्प** : 65% अनुदान एवं 35% एग्रीगेटर का अंशदान।
- लाभार्थियों का चयन संबंधित उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारिणी समिति तथा राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति द्वारा।

आवेदन हेतु कृषि पोर्टल agriharyana.gov.in पर जाएं।

कृषि यंत्र निर्माता स्कीम में मशीनों की आपूर्ति हेतु पोर्टल पर पंजीकरण करवाएं।

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई, 2025

अधिक जानकारी के लिए
टोल फ्री नं0 1800-180-2117 या ज़िला कृषि उप-निदेशक से सम्पर्क करें। या
क्यू आर कोड को स्कैन करें

कृषि तथा किसान कल्याण विभाग, हरियाणा
www.agriharyana.gov.in

सूचना एवं जन संपर्क विभाग, हरियाणा के Whatsapp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

चिंतन

अमेरिका से टैरिफ वार्ता में अधिक सावधान रहे भारत

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को अंतिम रूप देने में भारत को अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी। अमेरिका अपने जीएम समेत अन्य कृषि व पोल्ट्री उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को गिद्ध नजर से देख रहा है। यह नजर बहुत लंबे समय से है। भारत ने जब अंतरराष्ट्रीय दबाव में गैट (अब डब्ल्यूटीओ) समझौते को वर्ष 1994 में स्वीकृति दी थी, उसके बाद से ही भारत पर अपने कृषि व संबद्ध क्षेत्र को खोलने का अमेरिकी दबाव है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत पर शुल्क (टैरिफ) को लेकर अधिक दबाव है। अमेरिका को लगता है कि भारत अपने सामानों पर अमेरिका से अधिक टैरिफ वसूलता है, जबकि अमेरिकी सामानों पर कम शुल्क देता है। बेशक वस्तुओं के व्यापार भारत के पक्ष में हैं, लेकिन अमेरिका भूल जाता है कि सेवाओं के ट्रेड में अमेरिका का पलड़ा भारी है। भारत को अमेरिका के साथ ट्रेड वार्ता में सर्विस ट्रेड के मुद्दे को प्रमुखता से रखना चाहिए। अमेरिका ने नौ जुलाई तक जवाबी शुल्क को निलंबित कर दिया था। इस कारण भारत पर दबाव था कि वह नौ जुलाई से पहले ही ट्रेड वार्ता पूरी कर ले, लेकिन अब अमेरिका ने अपनी समय सीमा को एक अगस्त तक बढ़ा दिया है। यानी कि अब एक अगस्त तक पुराने टैरिफ तरीके से ही व्यापार चलते रहेंगे। इससे भारत के निर्यातकों को राहत मिली है, इसी के साथ भारत को ट्रेड वार्ता के लिए अब तीन हफ्ते का वक्त और मिल गया है। ऐसे में भारतीय वार्ताकारों को असहमति वाले मुद्दों को सुलझाने में निगोशिएट करने को अधिक सोच-विचार का समय होगा। हालांकि, यदि भारत इस महीने के अंत तक अमेरिका के साथ कम से कम वस्तुओं पर बीटीए (द्विपक्षीय व्यापार समझौता) को अंतिम रूप दे देता है तो तुलनात्मक रूप से अधिक फायदे में होगा। वित्त वर्ष 2021-22 से अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। वस्तुओं का आपसी व्यापार 2024-25 में 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। इसमें 86.51 अरब डॉलर का निर्यात व 45.33 अरब डॉलर का आयात था। भारतीय कृषि संगठनों ने सरकार से अमेरिकी कृषि व पोल्ट्री उत्पादों के लिए भारतीय बाजार न खोलने की अपील की है, हालांकि नीति आयोग के कई सदस्य जीएम फसलों की पैरवी कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जरूर दावा किया है कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौता करने के करीब हैं, लेकिन भारत को किसी भी अमेरिका झांसे व दबाव में नहीं आना चाहिए, ट्रेड और टैरिफ में अपना हित देखना जरूरी है। भारत को अपने कृषि व संबद्ध क्षेत्र और एमएसएमई की रक्षा करनी चाहिए। सरकार को आर्थिक शोध संस्थान थिंक टैंक जीटीआरआई के अमेरिका के साथ व्यापार समझौते संबंधी सुझावों को गंभीरता से लेना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने चेताया है कि डोनाल्ड ट्रंप का 'रेसिप्रोकल टैरिफ मॉडल' मुक्त व्यापार समझौता का नहीं, बल्कि अमेरिकी धौंस है। इसलिए भारत को अमेरिकी समय सीमा के जाल में नहीं फंसना चाहिए। जिन टैरिफ मुद्दों पर आपसी सहमति बनती जा रही है, उसे चरणबद्ध तरीके से लागू करते जाना चाहिए। असहमति वाले मुद्दों पर वार्ता जारी रखनी चाहिए। एकतरफा अमेरिकी शुल्क वृद्धि विश्व व्यापार संगठन के नियमों का भी उल्लंघन है और इससे वैश्विक व्यापार प्रवाह बाधित होने, अमेरिका में उपभोक्ता कीमतों में वृद्धि होने और वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला में जटिलताएं उत्पन्न होने की आशंका है। शुल्क वृद्धि अमेरिका पर भारी पड़ेगी, भारत को तनिक भी डरने की जरूरत नहीं है।

आर्थिकी
प्रो. अश्वनी महाजन

अमेरिका से ट्रेड समझौते में रुकावटें

> अमेरिका अपने व्यापार भागीदारों पर अमेरिकी उत्पादों पर उनके द्वारा लगाए गए शुल्क को कम करने और अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने के लिए दबाव डालता हुआ दिखाई दिया, ताकि अमेरिका द्वारा पारस्परिक शुल्क लगाए जाने से बचा जा सके। उधर, भारतीय नीति आयोग द्वारा तैयार कार्य पत्र ने किसान संगठनों में भारी रोष पैदा कर दिया है। उनका कहना है कि अगर ये सुझाव मान लिए गए तो इससे बहुत नुकसान हो सकता है। इसी तरह, समझौते में लघु उद्योग क्षेत्र के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है। डेटा संप्रभुता और आईपीआर भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ऐसा लगता है कि अमेरिका हमे जितना दे सकता है, उससे कहीं अधिक मांग कर रहा है।

भारत अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते पर 2017 से ही चर्चा चल रही है, लेकिन अभी तक इस समझौते को मूर्त रूप नहीं मिल पाया है। कई बार तो यह समझौता इतना नजदीक नजर आता था कि मीडिया ने एफटीए के मुख्य तत्वों की घोषणा भी कर दी थी, लेकिन अचानक कुछ बाधाएं सामने आतीं और एफटीए ठंडे बस्ते में चला जाता। आखिरी बार ऐसी घटना 2020 में हुई थी। मीडिया में खबरें आ रही थीं कि भारत-अमेरिका एफटीए पर हस्ताक्षर होने वाले हैं और यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) का भारत दौरा प्रस्तावित था, लेकिन अचानक पता चला कि यूएसटीआर ने अपना भारत दौरा रद कर दिया है और तब से भारत-अमेरिका एफटीए पर कोई चर्चा नहीं हुई।

हाल ही में इस एफटीए, तो कभी सीमित एफटीए के बारे में खबरें फिर से आना शुरू हुई। पिछले चार महीनों में जब से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में सत्ता की बागडोर संभाली है, तब से ये चर्चाएं एक बार फिर सामने आने लगी हैं। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने व्यापार भागीदारों पर पारस्परिक शुल्क लगाने का फैसला किया, जिससे अब शुल्क अमेरिका के लिए डब्ल्यूटीओ द्वारा सहमत बाध्य दरों के आधार पर नहीं, बल्कि राष्ट्रपति ट्रम्प की सनक के आधार पर, पारस्परिकता के तथाकथित विचार पर तय किए जा रहे थे। अमेरिका अपने व्यापार भागीदारों पर अमेरिकी उत्पादों पर उनके द्वारा लगाए गए शुल्क को कम करने और अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने के लिए दबाव डालता हुआ दिखाई दिया, ताकि अमेरिका द्वारा पारस्परिक शुल्क लगाए जाने से बचा जा सके। ऐसी परिस्थितियों में, व्यापार विशेषज्ञ, जो मुक्त व्यापार के समर्थक माने जाते हैं, ने कहना शुरू कर दिया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने का यह सही समय है, अब एफटीए के पक्ष में तर्क दिया जा रहा है ताकि हम पारस्परिक शुल्क से बच सकें, और अमेरिका के साथ पूर्ण मुक्त व्यापार समझौते के आधार पर भारत-अमेरिका व्यापार को बढ़ावा दे सकें।

बातचीत चल रही थी और मीडिया में यह बताया जा रहा था कि भारत-अमेरिका एफटीए किसी भी समय हो सकता है और किसी भी दिन इस पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। हालांकि शुक्रवार, 13 जून को ऐसी खबरें आना शुरू हो गई कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में एक बार फिर से बाधा आ गई है और शायद भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द ही नहीं होगा। इस बार तथाकथित अवरोध भारत के इस स्पष्ट रुख से आया है कि वह जीएम खाद्य उत्पादों के आयात की अनुमति नहीं दे सकता, जबकि अमेरिका जीएम खाद्य उत्पादों के लिए भारत के बाजार को खोलने पर जोर दे रहा है। अमेरिकी व्यवसायों द्वारा भारत में डेटा होस्ट करने के लिए सर्वर की अनुमति नहीं देने के खिलाफ डेटा स्थानीयकरण पर हमारा जोर, और कुछ अन्य मुद्दों के कारण प्रस्तावित एफटीए फिर से खटाई में पड़ता दिखाई दे रहा है। 2006-08 के आसपास, रणनीतिक और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने की व्यापक बातचीत के बीच भारत-अमेरिका एफटीए का विचार सामने आया था। हालांकि, प्रमुख मतभेदों के कारण कोई औपचारिक वार्ता शुरू नहीं हुई। यह उल्लेखनीय है कि अमेरिका भारतीय

बाजारों में, विशेष रूप से खुदरा, कृषि आदि में, अधिक पहुंच और आईपीआर पर डब्ल्यूटीओ के तहत अनुमत से अधिक रियायतें चाहता था, जिसे हम डब्ल्यूटीओ प्लस कहते हैं। भारत के इस रुख के कारण, कि इस समझौते से नीतिगत गुंजाइश खत्म हो सकती है, खासकर कृषि, दवा, आईपीआर और निवेश नियमों के मामले में। जबकि कई विशेषज्ञ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खाके के बारे में चिंता जता रहे हैं, हमें अमेरिका की मांगों को समझने की जरूरत है, और किसी एक या अधिक मुद्दों पर झुकने से भारत को कैसे नुकसान हो सकता है, इस पर बहस करने की जरूरत है।

हमें यह जानने की जरूरत है कि चूंकि कई अमेरिकी टैरिफ भारत द्वारा निर्यात नहीं किए जाने वाले उत्पादों को लक्षित करते हैं, इसलिए, पारस्परिक शुल्क भारतीय निर्यातकों को महत्वपूर्ण रूप से नुकसान नहीं पहुंचा सकते हैं। हम व्यापार सौदों के माध्यम से श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात को बढ़ावा देने का प्रयास कर सकते हैं, जो कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो पार्ट्स और सौर उपकरण जैसे विनिर्माण उद्योगों को भारत के मेक इन इंडिया अभियान के साथ तालमेल बिठाते हुए, अमेरिकी बाजारों तक पहुंचने और पैमाने हासिल करने में मदद कर सकता है। अगर यह सीमित व्यापार सौदों के माध्यम से भी हासिल किया जा सकता है, तो यह एक बेहतर विकल्प हो सकता है, क्योंकि एक पूर्ण मुक्त व्यापार समझौते से सरकारी खरीद, कृषि सब्सिडी, आईपी अधिकार और उदारीकृत डेटा प्रवाह पर दबाव आयेगा। ये वे क्षेत्र हैं, जिनका भारत लंबे समय से विरोध करता रहा है। पूर्ण व्यापार सौदे का एक और नकारात्मक पहलू यह है कि अमेरिका भारत पर ऊर्जा और रक्षा वस्तुओं के आयात को बढ़ाने का दबाव डाल सकता है, जब तक कि इसका प्रतिकार नहीं किया जाता है, तब तक भारत की व्यापार स्थिति खराब हो सकती है। इसलिए, यह उचित होगा, अगर भारत शून्य से शून्य टैरिफ की पेशकश करे, जैसे कि यह संवेदनशील क्षेत्रों को छोड़कर कम जोखिम वाली श्रेणियों में टैरिफ में कटौती का आदान-प्रदान हो। साथ ही हमें सेवाओं, सरकारी खरीद, आईपी और कृषि पर बाध्यकारी समझौतों से बचने की जरूरत है। प्रस्तावित भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते में दो प्रमुख विवादास्पद मुद्दे कृषि और एमएसएमई के हैं। हम जानते हैं कि कृषि भारत के 45 प्रतिशत से अधिक कार्यबल को रोजगार देती है, और कोई भी समझौता जो कृषि को प्रभावित करता है, वह राष्ट्र की आजीविका और खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। इस बीच, आश्चर्यजनक रूप से नीति आयोग ने एक कार्य पत्र जारी किया है, जिसमें अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) सोयाबीन और मक्का जैसे कृषि उत्पादों के आयात पर शुल्क कम करने और साथ ही पोल्ट्री और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करने का सुझाव दिया गया है।

नीति आयोग द्वारा तैयार कार्य पत्र ने किसान संगठनों में भारी रोष पैदा कर दिया है। उनका कहना है कि अगर ये सुझाव मान लिए गए तो इससे बहुत नुकसान हो सकता है। इसी तरह, समझौते में लघु उद्योग क्षेत्र के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है। डेटा संप्रभुता और आईपीआर भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ऐसा लगता है कि अमेरिका हमे जितना दे सकता है, उससे कहीं अधिक मांग कर रहा है। हमें यह समझने की जरूरत है कि अमेरिका के साथ समझौता हो या न हो, भारत से अमेरिका को निर्यात बिना रोक-टोक जारी रहेगा और कोई कारण नहीं है कि हम एक सीमा से अधिक रियायतें दें, जिससे भारतीय कृषि, लघु उद्योग और अर्थव्यवस्था के भविष्य के विकास को नुकसान पहुंचे।

(लेखक पूर्व प्रोफेसर, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विवि हैं, ये उनके अपने विचार हैं। लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

नाली व्यवस्था
पंकज चतुर्वेदी

ऐसे शहर तो डूबेंगे ही

पिछले एक दशक में 25 हजार करोड़ बस इस बात को खर्च किए गए कि देश के प्रगति के प्रतिमान कहलाने वाले शहर बरसात में दरिया न बन जाएं, लेकिन हालत बदले नहीं। मौसम की बरसात के शुरुआत में ही दरिया बन गए और जो समाज कुछ दिनों पहले तक नालों में पानी की एक-एक बूंद के लिए त्राहि-त्राहि कर रहा था, अपने गली-मुहल्लों में गर्दन तक पानी में डूब गया। जो चौड़ी सड़कें या फ्लाईओवर यातायात को फर्राटे से निकालने के लिए बने हैं, वहां मीलों तक वाहनों का जाम हो जाता है। यह रोग अब महानगरों में ही नहीं, जिला स्तर के नगरों में भी आम है। चूंकि बरसात के दिन कम हो रहे हैं, सो लोग इसे अस्थाई दिक्कत मानकर बिसरा देते लेकिन जान लें कि अब हमारा देश भी शहरीकरण की ओर अग्रसर है। उसके चलते जल्द ही जलभराव गंभीर समस्या का रूप ले लेगा। पिछले साल बजट सत्र के आखिरी दिनों में यह बात संसद में स्वीकार की गई थी कि केंद्र सरकार बारिश के पानी की निकासी के लिए शहरों पर बीते 10 वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। इसके बावजूद हर बारिश के दौरान शहरों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं और पानी उतरने में घंटों लगते हैं। दुखद तो यह है कि देश के 100 शहर जिन्हें स्मार्ट सिटी घोषित कर दिया गया, पहले से अधिक डूब रहे हैं। सरकार कहती है कि जुलाई 2024 तक, 100 शहरों ने स्मार्ट सिटी मिशन के हिस्से के रूप में 1,44,237 करोड़ की राशि की 7,188 परियोजनाएं (कुल प्रोजेक्ट का 90 प्रतिशत) पूरी कर ली हैं। 19,926 करोड़ की राशि की शेष 830 परियोजनाएं भी पूरा होने के अंतिम चरण में हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश के 35 शहरों में बाढ़ की समस्या के निपटने के लिए 1,005 करोड़ रुपये के 87 प्रोजेक्ट बनाए गए। इतना ही नहीं, 100 स्मार्ट सिटी में से 97 शहरों में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज में सुधार के लिए 603 प्रोजेक्ट बनाकर 21,182 करोड़ रुपये खर्च हुए। कहने की जरूरत नहीं कि ये सभी शहर बरसात में जलभराव के कारण ठप हुए। शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कॉलोनी काटकर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए। कई दशकों तक ना तो नालियां बनीं या सड़क और धीरे-धीरे इलाका 'अरबन-स्लम' में बदल गया। गौर करने लायक बात यह भी है कि साल में ज्यादा से ज्यादा 25 दिन बरसात के कारण बेहाल हो जाने वाले ये शहरी क्षेत्र पूरे साल में आठ से दस महीने पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना का एक शोध बताता कि नदियों के किनारे बसे लगभग सभी शहर अब थोड़ी सी बरसात में ही दम तोड़ देते हैं। दिक्कत अकेले बाढ़ की ही नहीं है, इन शहरों की दुरमट मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता अच्छी नहीं होती है। शहरों में अब गलियों में भी सीमेंट पोत कर आरसीसी सड़कें बनाने का चलन बढ़ गया है और औसतन बीस फीसदी जगह ही कच्ची बची है, सो पानी सोखने की प्रक्रिया नदी-तट के करीब की जमीन में तेजी से होती है। शहरों में बाढ़ का सबसे बड़ा कारण तो यहां के प्राकृतिक नदी-नालों, तालाब-जोहड़ों और उन तक नी लाने वाले मार्ग पर अवैध कब्जे, भूमिगत सीवरों की ठीक से सफाई ना होना है। इससे बड़ा कारण है हर शहर में हर दिन बढ़ते कूड़े का भंडार व उसके निबटान की माकूल व्यवस्था ना होना। जाहिर है कि बरसात होने पर यही कूड़ा पानी को नाली तक जाने या फिर सीवर के मुंह को बंद करता है। महानगरों में भूमिगत सीवर जलभराव का सबसे बड़ा कारण हैं।

जब हम भूमिगत सीवर के लायक संस्कार नहीं सीख पा रहे हैं तो फिर खुले नालों से अपना काम क्यों नहीं चला पा रहे हैं ? एक बात और बंगलूरू या हैदराबाद या दिल्ली में जिन इलाकों में पानी भरता है यदि वहां की कुछ दशक पुरानी जमीनी संरचना का रिकार्ड उठा कर देखें तो पाएंगे कि वहां पर कभी कोई तालाब, जोहड़ या प्राकृतिक नाला था। महानगरों में बाढ़ का मतलब है परिवहन और लोगों का आवागमन ठप होना। जलभराव और बाढ़ मानवजन्य समस्याएं हैं और इसका निदान दूरगामी योजनाओं से संभव है ; यह बात शहरी नियोजनकर्ताओं को भली-भांति जान लेना चाहिए और इसी सिद्धांत पर भविष्य की योजनाएं बनाना चाहिए। शहर को डूबने से बचाना है तो कूड़ा कम करने, पॉलीथिन पर पाबंदी, सीवरों की ईमानदारी से नियमित सफाई जरूरी है। शहरों में अधिक से अधिक खाली जगह यानि कच्ची जमीन हो, ढेर सारे पेड़ हों। जलभराव वाली जगह भूजल रिचार्ज के प्रयास हों। प्राकृतिक जलाशयों, नदियों को उनके मूल स्वरूप में रखने तथा उसके जलग्रहण क्षेत्र को किसी भी किस्म में निर्माण ना हों।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

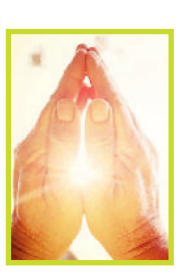

संकलित
दर्शन

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है, यह तो बेबसी है, लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेड़ियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

संकलित
प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। राजा को शिक्षा ग्रहण करते हुए कई महीने बीत गए, मगर राजा को कोई लाभ नहीं हुआ। गुरु तो रोज खूब मेहनत करता थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिए। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूँ पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया: राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है.. गुरुवर कृपा कर के आप शीघ्र इस प्रश्न का उत्तर दीजिए, राजा ने विनती की। गुरूजी ने कहा: राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहाँ पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।.. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊँचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

सरकार फर्जी लोन एप्स से कड़ाई से निपटे

हमारे देश में विभिन्न कंपनियों ने एप्स के जरिए लोन देने की व्यवस्था की है, ताकि लोगों को आसानी से घर बैठे ही कुछ मिनटों में लोन उपलब्ध हो सके। लेकिन कुछ फर्जी एप्स भी हो सकते हैं। इसके लिए जागरूकता बहुत जरूरी है, ताकि किसी फर्जी एप्स के जरिए लिया गया लोन मुसीबत न बने। जब किसी को आर्थिक संकट आता है, या जब किसी का कोई परिवारजन बीमार होता है या जब किसी गरीब या मिडल क्लास के बच्चे की पढ़ाई का खर्चा पूरा न हो रहा हो या किसी व्यापारी को व्यापार के लिए धन की जरूरत हो तो ऐसे में इन सभी को सरकारी बैंकों या अन्य उचित एप्स से लोन आसानी से न मिल रहा है, तो ऐसे वर्ग के लोग फर्जी लोन एप्स के जंजाल में फंस जाते हैं और मुसीबत में पड़ जाते हैं। इसलिए सरकार को इन फर्जी एप्स से कड़ाई से निपटना चाहिए।

- रविंद्र जोशी, बिलासपुर

मनोविज्ञान
डॉ. कविता सिंधू खरीटा

जल्द अनियंत्रित होती हैं नकारात्मक भावनाएं

हमारी भावनाएं हमारे जीवन की दिशा और गुणवत्ता को गहराई से प्रभावित करती हैं। कभी-कभी ये भावनाएं हमारे लिए प्रेरणा बनती हैं, तो कभी इतनी तीव्र हो जाती हैं कि हमें असहाय, असंतुलित और भ्रमित कर देती हैं। विशेषकर नकारात्मक भावनाएं जैसे क्रोध, दुख, ईर्ष्या या असुरक्षा बहुत जल्दी नियंत्रण से बाहर हो सकती हैं और हमारी सोच, निर्णय लेने की क्षमता, यहां तक कि हमारे संबंधों को भी प्रभावित कर सकती हैं। लेकिन क्या नकारात्मक भावनाएं केवल परेशानी हैं? या इनमें कोई छिपा हुआ संदेश भी होता है? दरअसल, हमारी भावनाएं केवल रासायनिक प्रतिक्रियाएं नहीं हैं, ये हमारे अंदरूनी संवाद का हिस्सा हैं। जब हम किसी स्थिति से आहत होते हैं, तो हमारी भावनाएं हमें सावधान करती हैं। यह बात तुम्हें परेशान कर रही है, इसे नज़रअंदाज़ मत करो। यह एक प्रकार का प्राकृतिक चेतावनी तंत्र है जो हमें सतर्क करती है और आत्म-सुरक्षा की भावना को जाग्रत करती है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब हम इन भावनाओं को समझने की बजाय या तो दबा देते हैं या उनके साथ बहने लगते हैं। न तो इन्हें अनदेखा करना समाधान है, न ही इनके अधीन हो जाना। नकारात्मक भावनाएं केवल अवरोध नहीं होतीं, वे अवसर भी बन सकती हैं, अंदर झांकने का, खुद को समझने का, और दिशा सुधारने का। सबसे पहला कदम है स्वीकार करना, भावना कोई दोष नहीं है। यह कहना कि मैं दुखी हूँ या मुझे गुस्सा आ रहा है, कोई कमजोरी नहीं है, यह ईमानदारी है। भावनाओं

को पहचानना और उन्हें सही नाम देना बेहद ज़रूरी है जैसे मुझे गुस्सा आ रहा है, से आगे जाकर कहें कि मुझे इसलिए गुस्सा आ रहा है क्योंकि मुझे अनदेखा किया गया। यह स्पष्टता आपको प्रतिक्रिया देने की बजाय सार्थक प्रतिक्रिया करने में मदद करेगी। अपने आप से बात करना बिना दोषारोपण के सबसे शक्तिशाली अभ्यास है। भावनाओं को दबाने की बजाय उन्हें कोई रचनात्मक रूप दें। लेखन, चित्रकारी, संगीत, प्रार्थना ये सब माध्यम हैं अपने भीतर के द्वंद्व को शब्द और रूप देने के। गहरी सांसें लेना, कुछ मिनट ध्यान करना, या केवल एकांत में बैठना, यह आपके अंतर्मन को शांत करने में अत्यंत सहायक होता है। यह आपको वर्तमान क्षण में लाता है जहां न पछतावा है, न चिंता केवल शुद्ध उपस्थिति है। यदि हम इन भावनाओं को अपनी यात्रा का हिस्सा मान लें एक सहयात्री, जो हमें हमारे असली स्वरूप तक ले जा रहा है तो हम भीतर से और भी मजबूत बन सकते हैं। हर बार जब आप अपने मन से सच्ची, करुणा भरी बातचीत करते हैं, तो आप एक नई समझ, संतुलन और दृष्टिकोण के साथ उभरते हैं। आपके विचार, आपकी भावनाएं ये आपके जीवन के अनुभवों से बुनी हुई हैं। इनका सम्मान करें। नकारात्मक भावनाएं यदि सही दिशा में समझी जाएं, तो वे भी आपको शांति, शक्ति और संतुलन की ओर ले जा सकती हैं। अपने भीतर की आवाज़ को नरम, सशक्त और करुणामय बनाइए। यही संवाद आपके जीवन की दिशा भी तय करता है।

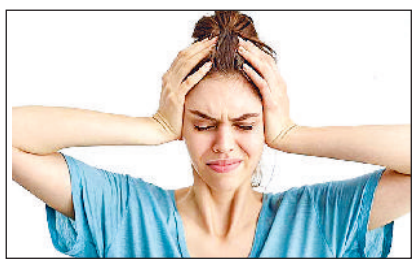

(लेखिका शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ट्रेंड

बिहार युवा आयोग गठित

बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा सशक्त और सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है और आज कैबिनेट द्वारा बिहार युवा आयोग के गठन की मंजूरी भी दे दी गई है।
-नीतीश कुमार, सीएम, बिहार

आपदा प्रभावितों का दर्द

आपदा प्रभावितों का दर्द सुनकर मन बहुत ही व्यथित है। सराज अभी भी दर्द में डूबा है। त्रासदी ने हमारी दशकों की मेहनत को कुछ सेकंड में ही तहस-नहस कर दिया। हमारे कई लोगों को हमसे छीन लिया। ईश्वर उन्हें सद्गति दे।
-जयराम ठाकुर, पूर्व सीएम, हिमाचल

भारत की शानदार जीत

एजबेस्टन में भारत की शानदार जीत। निडरता से खेले और इंग्लैंड को लगातार परेशान किया। सभी ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। सिराज और आकाश ने इस पिच पर जिस तरह की गेंदबाजी की, उसके लिए उनका विशेष उल्लेख है।
-विराट कोहली, क्रिकेटर

चिंता रॉकिंग चेयर जैसी

चिंता रॉकिंग चेयर के जैसी होती है, जो हमें हिलाती है पर ले कहीं नहीं जाती। समस्या के बारे में सोचना 'चिंता' है और समाधान के बारे में विचारना 'चिंतन'। चिंता स्वीकारे बिना हम चिंतन तक नहीं पहुँच सकते।
- आशुतोष राणा, अभिनेता

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 फोन: 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सैयामी ने दो बार में पूरी की आयरनमैन 70.3 ट्रायथलन

नई दिल्ली। अभिनेत्री सैयामी खेर एक साल में दो बार आयरनमैन 70.3 ट्रायथलन पूरा करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। आयरनमैन 70.3 दुनिया की सबसे कठिन 'एंड्यूरेंस चुनौतियों' में से एक है, जिसमें खिलाड़ियों को एक ही दिन में 1.9 किमी खुले पानी में तैराकी, 90 किमी साइकिल चलाना और 21.1 किमी हाफ मैराथन दौड़ में भाग लेना होता है। सैयामी ने पहली बार आयरनमैन 70.3 को सितंबर 2024 में पूरा किया और 6 जुलाई को स्वीडन के जोन्कोपिंग में दूसरी बार इस चुनौती को पूरा किया। अभिनेत्री ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया और दूसरी बार आयरनमैन 70.3 पूरा करने की जानकारी दी।

मुंबई टीम के सहायक कोच बने राणाडे

मुंबई। धवल कुलकर्णी मुंबई के गेंदबाजी कोच के रूप में बने रहेंगे जबकि अतुल राणाडे को मुंबई की सीनियर पुरुष टीम का सहायक कोच और ब्राविश शेट्टी को बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने यह घोषणा की। मुंबई की टीम पिछले घरेलू सत्र में रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची थी जबकि 2023-24 सत्र में उसने रिकॉर्ड 43वीं बार इस खिताब को अपने नाम किया था। टीम इसके साथ ही ईरानी कप और विजय हजारे ट्रॉफी का चैंपियन बनने में सफल रही जबकि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा। एमसीए ने पहले ही ओंकार साल्वी को मुख्य कोच के रूप में बरकरार रखा था।

रऊफ-शादाब पाकिस्तान टी20 टीम से बाहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और आलराउंडर शादाब खान चोटिल होने के कारण इस महीने बांग्लादेश में होने वाली टी-20 श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। रऊफ को पिछले सप्ताह अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जबकि शादाब ने हाल ही में कंधे की सर्जरी करवाई है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के दौरे के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की, जिसमें अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले तेज गेंदबाज अहमद दानियाल और सलमान मिर्जा को भी शामिल किया गया है।

पहलवान रीतिका हुड्डा डोप परीक्षण में विफल होने पर निलंबित

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती को बड़ा झटका लगा जब 2023 में देश की पहली अंडर-23 विश्व चैंपियन बनीं प्रतिभाशाली पहलवान रीतिका हुड्डा को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण नाडा (राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी) द्वारा अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया और उन पर चार साल का प्रतिबंध लग सकता है। हैवीवेट 76 किग्रा वर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं 22 वर्षीय रीतिका का 15 मार्च को एशियाई चैम्पियनशिप के लिए चयन ट्रायल के दौरान परीक्षण किया गया और उनके मूत्र के नमूने में 'एस1.1 एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड' के अंश पाए गए जो एक प्रतिबंधित पदार्थ है। रीतिका ने पीटीआई से कहा, ''अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। मैं अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करूंगी। मुझे नाडा और (कुश्ती) महासंघ पर पूरा भरोसा है। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकती।'' रीतिका आगे की जांच के लिए 'बी नमूना' देने पर विचार कर रही हैं।

विंबलडन : कोहनी की चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद सिनर पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर सेमीफाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन से भिड़ेंगे

एजेंसी ▶▶| लंदन

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिनी कोहनी में चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी ग्रिगोर दिमित्रोव के पेक्टोरल मांसपेशी में चोट लगने के कारण बाहर हो जाने से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट में कोई भी सेट नहीं गंवाया था, लेकिन विश्व में 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने उनके खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने

खेलना बंद कर दिया। यह लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है, जिसमें 34 वर्षीय दिमित्रोव मैच पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओपन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे, जिससे उनकी कोहनी चोटिल हो गई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अमेरिका के बेन शेल्टन से भिड़ेंगे।

मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को हराकर अंतिम 8 में बनाई जगह

इस बीच महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह पिछले 18 वर्षों में विंबलडन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है। एंड्रीवा का अगला मुकाबला बेलिंडा बेनसिक से होगा, जो ऑल इंग्लैंड क्लब में पदार्पण करने के 11 साल बाद पहली बार विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। बेनसिक ने 18वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-6 (4), 6-4 से हराया। इसके अलावा लियुडमिला सैमसोनोवा नंबर दो कोर्ट पर जेसिका बौजास मानेरो को 7-5, 7-5 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंची। सैमसोनोवा ने इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना इगा स्वियाटेक से होगा, जो क्लारा टॉसन को 6-4, 6-1 से हराकर दूसरी बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। पुरुष वर्ग में मारिन सिलिच को स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू हुए चौथे दौर के मैच में फ्लेवियो कोबोली से 6-4, 6-4, 6-7 (4), 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा।

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से

लॉर्ड्स में होगी असली परीक्षा! अब तक 19 मुकाबलों में टीम इंडिया ने जीते मात्र तीन

एजेंसी ▶▶| लॉर्ड्स

भारत और इंग्लैंड के बीच हो रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज का तीसरा मुकाबला ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान में 10 जुलाई से खेला जाना है। भारत ने इस मैदान पर अभी तक 19 मैच खेले हैं, लेकिन भारत का रिकॉर्ड यहां पर इतना अच्छा नहीं है। हालांकि, टीम इंडिया के लिए अच्छी बात यह है कि शुभमन गिल की अगुवाई में भारत ने इंग्लैंड को एजबेस्टन में 336 रनों से हराया है।

भारत का लॉर्ड्स के मैदान में रिकॉर्ड

भारत ने लॉर्ड्स में 1932 से अभी तक 19 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 3 मैच जीते हैं जबकि 12 मैच में टीम को हार मिली है। वहीं 4 मैच ड्रा हुए हैं। भारत का हार जीत का रिकॉर्ड 0.25 का है। भारत ने सबसे पहले 1932 में यहां पर मुकाबला खेला था, जिसमें उसमें 158 रनों से हरा का सामना करना पड़ा था। भारत को इस मुकाबले में पहली जीत 1986 में मिली थी, जब चेतन शर्मा, कपिल देव की शानदार गेंदबाजी और दिलीप वेंगसरकर की पहली पारी में शतकीय पारी के दम पर भारत ने जीत दर्ज की थी।

बुमराह की वापसी की संभावना

दूसरी तरफ भारतीय टीम की बात करें तो एजबेस्टन टेस्ट में स्टार गेंदबाज कहे जानें वाले जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया था। लेकिन लॉर्ड्स टेस्ट में उनकी वापसी लगभग तय है। कप्तान शुभमन गिल ने भी संकेत दिए थे कि बुमराह अगला मैच खेलेंगे। बुमराह की वापसी से टीम इंडिया के बॉलिंग अटैक को और मजबूती मिलेगी।

आर्चर की वापसी से बढ़ी उम्मीद

इंग्लैंड टीम के लिए एक राहत की खबर यह भी है कि स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे टेस्ट के लिए पूरी तरह फिट हैं और चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। ऐसे में इंग्लैंड की प्लेइंग 11 में बदलाव तय माने जा रहे हैं, खासकर पेस अटैक को और मजबूत करने की दिशा में।

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है और क्रॉली सुधार नहीं कर सकते: बॉयकॉट

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय बीत चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है। बॉयकॉट ने अपने कालम में लिखा 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।' बॉयकॉट ने लिखा, ''क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।' क्रॉली के मामले में बॉयकॉट ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज इससे बेहतर नहीं हो सकता।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग

दीप्ति को एक स्थान का फायदा गेंदबाजी में पहुंचीं दूसरे नंबर पर

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं।

दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई। टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नवीनतम अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है।

अरुंधति रेड्डी 43वें स्थान पर पहुंची

दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है और यह ऑफ स्पिनर अंतिम दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी से शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है। भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के हालिया मैच में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजों की सूची में 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजों में जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने ब्रिस्टल में श्रृंखला के दूसरे मैच में अर्धशतक जमाया था।

आईएसएसएफ विश्व कप

फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंचे भवतेग, मैराज और गनेमत

एजेंसी ▶▶| लोनाटो (इटली)

भारतीय निशानेबाज भवतेग सिंह गिल ने दूसरे दिन 25 के दो परफेक्ट राउंड बनाकर खुद को मैराज अहमद खान के साथ यहां आईएसएसएफ विश्व कप (शॉटगन) में पुरुषों की स्कीट प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बनाए रखा। पहले चार क्वालीफाइंग राउंड के बाद इन दोनों का स्कोर 98 है। अभी दो क्वालीफाइंग राउंड खेले जाने बाकी हैं। महिलाओं की स्कीट में गनेमत सेखों भी 24-24 राउंड के साथ फाइनल में पहुंचने की मजबूत दावेदार बनी हुई है। उनका कुल स्कोर 96 रहा और वह अभी आठवें स्थान पर हैं।

दो राउंड में गनेमत एक-एक निशाना चूकी

गनेमत ने सोमवार को ट्रैप कॉनकेवर्डे में अपने क्वालीफाइंग राउंड की शुरुआत 10वें स्थान से की। निर्धारित दो राउंड में वह एक-एक निशाना चूक गईं, जिससे दूसरे दिन के अंत में वह आठवें स्थान पर पहुंच गईं। छह निशानेबाज फाइनल में जगह बनाएंगे। प्रतियोगिता में भाग ले रही दो अन्य भारतीय ओलंपियन माहेश्वरी चौहान और राइजा ढिल्लों क्रमशः 96 और 93 के स्कोर के साथ 27वें और 28वें स्थान पर हैं। अमेरिका की डानिया जो विज्जी 98 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

भारतीय स्कीट निशानेबाज लोनाटो विश्व कप में प्रभावित करने में विफल रहे

नई दिल्ली। भारतीय स्कीट निशानेबाजों का मंगलवार को लोनाटो में आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के तीसरे दिन के क्वालिफिकेशन राउंड में निराशाजनक प्रदर्शन रहा, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में से कोई भी फाइनल में जगह नहीं बना पाया। पुरुष वर्ग में 49 साल के अनुभवी मेराज अहमद खान तीन दिन तक चले क्वालीफिकेश में 24, 25, 24, 25, 23 के निशाने के साथ 125 में 121 अंक जुटा कर 34वें स्थान पर रहे। ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरूका (24, 24, 24, 23, 24) कुल 119 अंकों के साथ 176 निशानेबाजों में 64 वें स्थान पर रहे जबकि भवतेघ सिंह गिल ने 119 (23, 25, 25, 25, 21) अंक हासिल कर 75वां स्थान प्राप्त किया। अमेरिका के विंसेंट हैनकॉक ने फाइनल में 26 का स्कोर कर स्वर्ण पदक जीता।

टी-20: मैच जीतने के लिए हरमनप्रीत और शेफाली को दिखाना होगा दम

मैनचेस्टर। भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतनी है तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को बुधवार को होने वाले चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था। शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पिछले 20 साल में पारी और 236 रन से सबसे बड़ी शिकस्त दी

भाषा ▶▶| बुलावायो

दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया। दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गयी थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गयी। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाये जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था। मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये।

जिंबाब्वे के तेज गेंदबाज मातिगिमु को लगा जुर्माना

जिंबाब्वे के तेज गेंदबाज कुंदई मातिगिमु पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन 'अनुचित और खतरनाक' तरीके से गेंद फेंकने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 72वें ओवर के दौरान हुई जब मातिगिमु ने गेंदबाजी करने के बाद वापसी आई गेंद को रोका और बल्लेबाज लुआन डि प्रीटोरियस की ओर फेंका, जो उनकी कलाई पर लगी। मातिगिमु ने खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.9 का उल्लंघन किया।

एशियाई जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप

साईराज परदेसी ने जीता कांस्य पदक

अस्ताना। भारत के साईराज परदेसी ने मंगलवार को यहां एशियाई जूनियर (पुरुष और महिला) भारोत्तोलन चैंपियनशिप के 86 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। खेलो इंडिया युवा खेलों में 81 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान तीन युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले परदेसी ने कुल 338 किग्रा वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 152 जबकि क्लीन एवं जर्क में 186 किग्रा वजन उठाया। महाराष्ट्र के मनमाड के रहने वाले परदेसी ने दोहा में 2024 एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

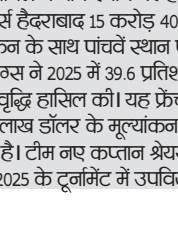

आरसीबी का मूल्यांकन 26 करोड़ 90 लाख डॉलर

आईपीएल खिताब जीतकर सबसे कीमती फ्रेंचाइजी बनी आरसीबी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल खिताब के 17 साल के सूखे के अंत से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मूल्यांकन बढ़कर 26 करोड़ 90 लाख डॉलर हो गया, जिससे यह फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पछाड़कर मूल्यांकन के मामले में शीर्ष पर पहुंच गई है।

मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया। एक निवेश बैंक हुलिहान लोके की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से संचालित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मूल्यांकन 13.8 प्रतिशत बढ़कर तीन अरब 90 करोड़ डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक व्यवसाय के रूप में आईपीएल का मूल्य 12.9 प्रतिशत बढ़कर 18 अरब 50 करोड़ डॉलर हो गया है।

चेन्नई सुपरकिंग्स को पछाड़कर पहुंचा शीर्ष पर

मुंबई इंडियंस दूसरी सबसे कीमती फ्रेंचाइजी

अंबानी परिवार की ओर संचालित मुंबई इंडियन्स का मूल्यांकन 24 करोड़ 20 लाख डॉलर तक बढ़ गया है, जिससे यह दूसरी सबसे कीमती फ्रेंचाइजी बन गई है। निराशाजनक सत्र के बाद इंडिया सीमेंट्स के एन. श्रीनिवासन के स्वामित्व वाला सीएसके एक साल पहले के शीर्ष स्थान से 2025 में तीसरे नंबर पर खिसक गया। इस फ्रेंचाइजी का ब्रांड मूल्य 23 करोड़ 50 लाख डॉलर है। शाहरुख खान की कोलकाता नाइट राइडर्स 22 करोड़ 70 लाख डॉलर के साथ ब्रांड मूल्य के मामले में चौथे स्थान पर है जबकि सनराइजर्स हैदराबाद 15 करोड़ 40 लाख डॉलर के मूल्यांकन के साथ पांचवें स्थान पर रहा। पंजाब किंग्स ने 2025 में 39.6 प्रतिशत की सर्वाधिक वृद्धि हासिल की। यह फ्रेंचाइजी 14 करोड़ 10 लाख डॉलर के मूल्यांकन के साथ नौवें स्थान पर है। टीम नए कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में 2025 के टूर्नामेंट में उपविजेता रही।

यह ऐसा आर्टिलरी गन सिस्टम है, जिसे कहीं भी लाने ले जाने में आसानी रहेगी। सेना अपनी जरूरत के हिसाब से थार रेगिस्तान से लेकर सियाचिन ग्लेशियर तक, किसी भी मोर्चे पर तैनात कर सकती है

डीआरडीओ ने बढ़ाई भारतीय सेना की ताकत

देशी तोप एटीएजीएस पूरी तरह से तैयार, 48 किमी दूर तक मार करने की क्षमता

एजेंसी ▶▶ पुणे

भारतीय सेना की ताकत बढ़ाने के लिए पूरी तरह से देश में ही विकसित की गई आधुनिक तोप एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) अब तैयार है। इस तोप को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पुणे में मौजूद आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) के साथ मिलकर और निजी कंपनियां जैसे भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सहयोग से बनाया है। इसे जल्द से जल्द सेना के हवाले करने की तैयारी है। यह ऐसा आर्टिलरी गन सिस्टम होगा, जिसे कहीं भी लाने ले जाने में आसानी रहेगी। सेना अपनी जरूरत के हिसाब से थार रेगिस्तान से लेकर सियाचिन ग्लेशियर तक, किसी भी मोर्चे पर तैनात कर सकती है।

टीएजीएस तोप दुनिया की सबसे बेहतरीन तोप प्रणालियों में से एक | डीआरडीओ और निजी कंपनियों के संयुक्त प्रयास से बनाई गई है

307 तोपों का दिया गया ऑर्डर

ए. राजू ने बताया कि भारतीय सेना ने मार्च 2025 में 307 एटीएजीएस तोपों का ऑर्डर दिया है। इस ऑर्डर को भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के बीच 60:40 के अनुपात में बांटा गया है। यानी 60% तोपें भारत फोर्ज बनाएगा और 40% टाटा कंपनी। ये सभी तोपें पांच साल की अवधि में सेना को सौंपी जाएंगी।

सीधे और घुमावदार लक्ष्य को भेदने में सक्षम

डीआरडीओ ने बताया कि इस तोप को इस तरह बनाया गया है कि यह सीधे और घुमावदार, दोनों तरह से लक्ष्यों को भेद सकती है। डीआरडीओ अब गाइडेड एम्युनिशन पर काम कर रहा है जिससे और ज्यादा सटीक निशाना लगाया जा सकेगा। इस परियोजना के सफल विकास से भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को एक बड़ा बल मिलेगा और सेना को भी अत्याधुनिक तोपों से लैस किया जा सकेगा।

25 बमों की क्षमता वाला बैरल

एआरडीई के निदेशक ए. राजू ने बताया कि यह प्रोजेक्ट 2012 में शुरू हुआ था और एआरडीई को इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी दी गई थी। एटीएजीएस तोप दुनिया की सबसे बेहतरीन तोप प्रणालियों में से एक है। यह 155 मिमी / 52 कैलिबर की तोप है। इसकी फायरिंग कैपेसिटी जोन सात में है, जिससे यह 48 किलोमीटर तक निशाना साध सकती है। इसमें 25 बमों की क्षमता वाला बैरल है। फिलहाल इसके लिए इस्तेमाल होने वाला गोला बारूद अनगाइडेड है, लेकिन हम गाइडेड यानी सटीक निशाना लगाने वाले गोले विकसित करने पर भी काम कर रहे हैं। इसे हर मौसम में इस्तेमाल किया जा सके, और यह लगातार काम करने में सक्षम होनी चाहिए।

75% तक देश में ही बनी

एटीएजीएस प्रोजेक्ट डायरेक्टर आर.पी. पांडेय ने कहा कि यह तोप डीआरडीओ और निजी कंपनियों के संयुक्त प्रयास से बनाई गई है। इसकी फायरिंग कैपेसिटी जोन सात में है, जिससे यह 48 किलोमीटर तक निशाना साध सकती है। यह पूरी तरह से भारतीय तकनीक पर आधारित है और 75% तक देश में ही बनी हुई है।

अफगानिस्तान पर संरा महासभा में लाए प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा भारत

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया और कहा कि ''सामान्य तौर-तरीकों के साथ काम करने'' से शायद वे परिणाम नहीं मिल पाएंगे, जिनकी वैश्विक समुदाय अफगान जनता के लिए अपेक्षा करता है। संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने सोमवार को जर्मनी द्वारा पेश 'अफगानिस्तान में स्थिति' पर प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 116 वोट पड़े, दो ने विरोध किया और 12 देश मतदान से दूर रहे, जिनमें भारत भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान में भाग न लेने पर कहा कि किसी भी युद्धोत्तर स्थिति से निपटने के लिए एक समेकित नीति में विभिन्न बातें समाहित होनी चाहिए, जिसमें सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने और हानिकारक कार्यों को हतोत्साहित करने वाले उपाय शामिल हों। हरीश ने कहा, ''हमारे दृष्टिकोण में केवल दंडात्मक उपायों पर केंद्रित एकतरफा रुख नहीं चल सकता। संयुक्त राष्ट्र और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अन्य युद्धोत्तर परिप्रेक्ष्य में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत, अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने समन्वित प्रयास करने चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नामित संस्थाएं और व्यक्ति, अलकायदा और उसके सहयोगी संगठन, इस्लामिक स्टेट और उसके सहयोगी संगठन, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद शामिल हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के साथ द्विपक्षीय बैठक में मोदी की दो टूक

आतंकवाद पर मापदंड दोहरे न हों, इस लड़ाई में भारत-ब्राजील की सोच एक

दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्रों में की व्यापक चर्चा

एजेंसी ▶▶ ब्रासीलिया

पीएम ने अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राष्ट्रपति लूला की एकजुटता और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और ब्राजील की शून्य सहिष्णुता और शून्य दोहरा मापदंड की सोच समान है। भारत और ब्राजील दोनों आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान और उसके सदाबहार मित्र चीन का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद पीएम मोदी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमारी सोच एक जैसी है- शून्य सहिष्णुता और शून्य दोहरा मापदंड।' पीएम मोदी ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि भारत और ब्राजील आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं। अतीत में भारत ने पाकिस्तान को 'आतंकवाद का वैश्विक केंद्र' बताया है। पीएम मोदी ने चीन का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा, 'आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों के लिए कोई स्थान नहीं है।' पीएम ने अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राष्ट्रपति लूला की एकजुटता और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

- प्रवासी भारतीयों ने तिरंगा थामे हाथ जोड़ पीएम मोदी का किया स्वागत
- ब्राजील के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे

पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा भारत ब्राजील की मुख्य प्राथमिकताएं

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत और ब्राजील ने हर क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा की है। दोनों नेताओं की यह बैठक मंगलवार को यहां अल्वोराडा पैलेस में हुई। पीएम मोदी ने कहा कि हमने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर (1.70 लाख करोड़ रुपये) तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा भारत और ब्राजील की मुख्य प्राथमिकताएं हैं।

रक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा : प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और ब्राजील के बीच रक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच यह बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज, जब विश्व तनाव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है, भारत और ब्राजील की साझेदारी स्थिरता और संतुलन का महत्वपूर्ण स्तंभ है।

सांबा-रेगे, शिवतांडव स्तोत्र और शास्त्रीय नृत्य की बही संगनधारा

पीएम नरेंद्र मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद मंगलवार को द्विपक्षीय राजकीय यात्रा के लिए ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय पीएम की पहली यात्रा है। यहां पीएम मोदी का स्वागत पारंपरिक सांबा रेगे की संगीतमय प्रस्तुति से किया गया। इसके बाद होटल पहुंचने पर शिव तांडव स्तोत्र पाठ और भारतीय शास्त्रीय नृत्य का भावपूर्ण प्रदर्शन किया गया। पीएम मोदी ने इसे 'यादगार स्वागत' बताया और प्रवासियों की अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रशंसा की। पीएम मोदी ने लिखा कि ब्रासीलिया में भारतीय समुदाय ने यादगार स्वागत किया, जो एक बार फिर दर्शाता है कि हमारे प्रवासी कितने भावुक हैं और वे अपनी जड़ों से कितने जुड़े हुए हैं।

विकसित गांवों और समृद्ध किसानों के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी : धर्मेंद्र

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसवीपीयूएटी), मंगलवार को मेरठ में उत्तर प्रदेश एग्रीटेक इनोवेशन हब

और एग्रीटेक स्टार्टअप तथा टेक्नोलॉजी शोकेस का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी उपस्थित थे। इस अवसर पर आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा, एसवीपीयूएटी के कुलपति डॉ. केके सिंह तथा अन्य गणमान्यों की उपस्थिति बनी रही। प्रधान ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए बधाई दी और कहा कि इससे भारतीय किसानों को बहुत लाभ होगा।

अश्विनी वैष्णव के पिता का जोधपुर में निधन

जयपुर। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव का मंगलवार को एम्स, जोधपुर में निधन हो गया। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनका अंतिम संस्कार शाम को जोधपुर में किया गया। पिछले कुछ दिनों से दाऊलाल वैष्णव गंभीर रूप से बीमार थे और एम्स जोधपुर में उनका इलाज चल रहा था।

सीडीएस जनरल चौहान और नौसेनाप्रमुख एडमिरल त्रिपाठी से की मुलाकात

7 से 9 जुलाई तक भारत की यात्रा पर यूएई की नौसेना के कमांडर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच पश्चिमी सीमा पर जारी तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की नौसेना के कमांडर मेजर जनरल हुमैद मोहम्मद अब्दुल्ला अलरेमीथी 7 से 9 जुलाई तक भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी इस यात्रा का उद्देश्य समुद्री सहयोग और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाना है। मंगलवार को मेजर जनरल अलरेमीथी ने राजधानी में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान से मुलाकात की।

जून में रिकॉर्ड लेनदेन

देश के बाहर भी यूपीआई का प्रभाव बढ़ा वैश्विक साझेदारियों से मिला नया विस्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने उपोयगकर्ता अनुभव बढ़ाने के लिए यूपीआई में नई सुविधाएं शुरू की हैं। इसमें क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स, लोन और इंश्योरेंस सेवाओं के एकीकरण और अन्य अनेक सुविधाएं शामिल हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी की 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा के दौरान यूपीआई की अंतरराष्ट्रीय पहुंच का नया उदाहरण देखने को मिला। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने डिजिटल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की।

जून में हुए 24 लाख करोड़ मूल्य के लेनदेन

घरेलू स्तर पर भी यूपीआई लगातार नई ऊंचाईयों को छू रहा है। अकेले जून 2025 में यूपीआई के जरिए 24,03,930 करोड़ रुपए मूल्य के लेनदेन दर्ज किए गए। यह वृद्धि साल-दर-साल प्रतिशत में नहीं, बल्कि कई गुना मापी जा रही है। ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का अनुमान है कि जुलाई 2025 में यूपीआई लेनदेन का मूल्य 25 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। जिसकी संभावना 80% आंकी गई है। वहीं, एनपीसीआई की वेबसाइट के मुताबिक, 7 जुलाई तक यह आंकड़ा 6,60,102 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है।

साइप्रस ने सहमति जताई

इसके अलावा, जून 2025 में पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा के दौरान एनपीसीआई और यूरोबैंक साइप्रस ने दोनों देशों के बीच सीमा पार भुगतान के लिए यूपीआई शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी। इसका उद्देश्य उनके आर्थिक संबंधों को गहरा करना था।

पश्चिम बंगाल एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

पाक आईएसआई से जुड़े दो लोग गिरफ्तार, 7 दिन पुलिस रिमांड पर

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

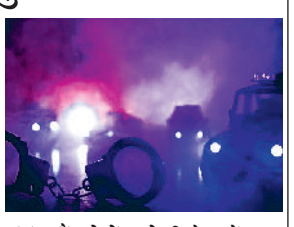

पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले से दो संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन पर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से संबंध होने का संदेह है। राज्य विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि आरोपियों की पहचान कोलकाता के भवानीपुर निवासी राकेश कुमार गुप्ता और पानागढ़ निवासी मुकेश रजक के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि इन दोनों के पाकिस्तान की आईएसआई से संबंध हैं। दोनों पड़ोसी देश में कुछ लोगों के संपर्क में थे। दोनों व्यक्ति एक एनजीओ के लिए काम करते थे और मेमारी में किराये के मकान में रह रहे थे। यहीं से उन्हें गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ कर्मियों ने शनिवार को छापेमारी की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

सूरीनाम की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं जेनिफर

पैरामारिबो। दक्षिण अमेरिका के छोटे परंतु सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश सूरीनाम को उसकी पहली महिला राष्ट्रपति मिल गई है। 71 वर्षीय अनुभवी चिकित्सक और सांसद जेनिफर गीरलिंग्स-साइमंस को बीते रविवार को संसद से दो-तिहाई बहुमत मिलने के बाद राष्ट्रपति चुना गया। यह चुनाव मई में हुए आम चुनाव के बाद हुआ, जिसमें कोई स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। गीरलिंग्स-साइमंस, जो नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख हैं, 16 जुलाई को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगी।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच तेज

विमान जांच ब्यूरो ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच तेज हो गई है। हादसे की जांच कर रही विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की टीम ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों को सौंप दी है।

एआई 171 विमान दुर्घटना पर तैयार की गई रिपोर्ट जांच के शुरुआती निष्कर्षों पर आधारित है। एएआईबी ने जांच के लिए बहु-विषयक टीम का गठन किया है। अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार गठित टीम का नेतृत्व डीजी एएआईबी कर रहे हैं। इस मामले में ब्लैक बॉक्स और हैंडलिंग कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों को बरामद कर लिया गया है।

इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर का दावा

वर्ष 2008 से 2017 के बीच जन्मे डेढ़ करोड़ लोगों में पेट कैंसर का खतरा

नई दिल्ली (भाषा)। दुनियाभर में वर्ष 2008 से 2017 के बीच जन्मे डेढ़ करोड़ से अधिक लोग जीवन में कभी न कभी पेट के कैंसर से पीड़ित हो सकते हैं और ऐसे लोगों की सर्वाधिक संख्या चीन के बाद भारत में होगी।

एक शोध रिपोर्ट में यह अनुमान व्यक्त किया गया है। इसमें कहा गया है कि इन अनुमानित डेढ़ करोड़ कैंसर मरीजों में से दो-तिहाई लोग एशियाई देशों के हो सकते हैं, जबकि इसके बाद अमेरिका और अफ्रीका का स्थान आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर एजेंसी 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' के शोधकर्ताओं सहित अन्य अनुसंधानकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र जनसांख्यिकीय डेटा के आधार पर अनुमानित मृत्यु दर के साथ-साथ 'जीएलओबीओसीएएन' (ग्लोबोकैन)-2022 के डेटाबेस का उपयोग करके 185 देशों में 'गैसट्रिक कैंसर' यानी पेट के कैंसर की घटनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25